+91 7014373732
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करें
marudharnews.com
info@marudharnews.com
हिन्दुस्तान की नई आवाज
मरुधर हिन्द
CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरुधर हिन्द अब एक नए अंदाज में
वर्ष : 03 | अंक : 165 | जयपुर, सोमवार 18 जून 2022 | कुल पेज : 6

''क्योंकि ये करते है हमारे अपनो की हिफाजत''
वही विश्वसनीय ईलाज, एक नई जगह पर
VISHWAS Neuro Psychiatric Hospital
डॉ. सुमित मित्तल
M.D., FIAPP, MIPS
Consultant Neuro Psychiatrist
मस्तिष्क, मानसिक, सेक्स रोग एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ
निम्न रोगी अपने ईलाज के लिए सम्पर्क करें :-
• सरदर्द, माईग्रेन • उदासी (डिप्रेशन) • आत्महत्या के विचार आना
• नसों का दर्द • सेक्स सम्बंधी समस्याऐं • नींद न आना अथवा नींद में चलना
• बेहोश हो जाना • मिर्गी के दौरे आना • किसी प्रकार का नशा जैसे तम्बाकू, चरस, गांजा आदि का सेवन करना
नया पता : 276, स्कीम नं. 2, अलवर मो. 7665412062

डॉ. सुमित मित्तल

एक्सप्रेस न्यूज

लखनऊ में तिरंगा शाखा ने की कुड़ियाघाट पर सफाई

लखनऊ (ब्यूरो)। आम आदमी पार्टी की तिरंगा शाखा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के सभी जिलों पर तिरंगा शाखा लगाई और शाखा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवनकाल पर प्रकाश डालते हुए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए सुचिता की राजनीति करने का संकल्प लिया। लखनऊ में गोमती नदी के किनारे कुड़ियां घाट पर तिरंगा शाखा कोऑर्डिनेटर कायनात सिद्धकी के साथ आप के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए और घाट और नदी में फैली गंदगी, जलकुंभी को साफ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोमती में व्याप्त गंदगी ने सरकार के स्वच्छ नदी अभियान की पोल खोलने का काम किया हैं। सभाजीत ने कहा कि तिरंगा शाखा के पदाधिकारी नदियों की सफाई के लिए श्रमदान तब तक करेंगें, जब तक गोमती कुंभी मुक्त नहीं हो जाती।

भरतपुर जिले में बिजली गिरने से किसान की मौत

भरतपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के भरतपुर में चिकसाना थाना क्षेत्र के नौगाय गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। शनिवार रात किसान खेत पर काम करने के बाद भी देर रात तक घर नहीं लौटा तो परिजन उसे ढूंढते हुए खेत पर पहुंचे जहां किसान खेत में अचेत अवस्था में पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि दया राम अपने खेत पर काम कर रहा था तभी वह आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया, लेकिन उस समय किसी को इस बारे में पता नहीं लग पाया। किसान के परिजन उसे भरतपुर के आरबीएम अस्पताल लेकर गए, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस ने रात को ही शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और रविवार को सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बारां जिले में अवैध डोडा पोस्त बरामद

बारां, (एजेंसी)। राजस्थान के बारां जिले के छीपाबड़ौद क्षेत्र में पुलिस ने करीब सत्तर किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक कल्याणमल मीणा ने सभी थानाधिकारियों एवं वृताधिकारियों को अवैध मादक पदार्थों गांजा, स्मैक, अफीम, डोडा पोस्त आदि की तस्करी की रोकथाम के लिए अभियान चलाने के लिए दिए गए निर्देश के तहत एक सूचना पर क्षेत्र के रामनगर-कोलूखेड़ा के रास्ते में आ रही एक बोलेरो पुलिस को देखकर वापस रामनगर गांव के कच्चे रास्ते की तरफ जाने लगी। इस पर पुलिस के पीछा करने पर बोलेरो का चालक बोलेरो को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बोलेरो की तलाशी लेने पर उसमें चार प्लास्टिक के थेलों में 70 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त बरामद किया। बोलेरो जब्त की और मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

आज का इतिहास

- **1290:** इंग्लैंड के किंग एडवर्ड ने यहूदियों के निष्कासन का आदेश दिया।
- **1630:** स्पेन के सैनिकों ने इटली के मंतुआ प्रांत पर कब्जा किया।
- 1737 : बेंजा लुका में लड़ाई के दौरान तुर्की सेना ने आस्ट्रिया को पराजित किया।
- **1781:** ब्रिटेन के प्रख्यात खगोलशास्त्री विलियम हरशल ने आकाश गंगा की वास्तविकता का पता लगाया।
- **1857:** बंबई विश्वविद्यालय की स्थापना की गई।
- **1872:** ब्रिटेन में चुनाव में गुप्त मतदान अधिनियम आया। इससे पहले मतदान खुले तौर पर किए जाते थे।
- **1914:** यूएस कांग्रेस ने एविएशन सेक्शन यूएस सिग्नल कोर का गठन किया, जिसने पहली बार अमेरिकी सेना के भीतर विमान को आधिकारिक दर्जा दिया था।
- **1922:** विज्ञान के अमेरिकी दार्शनिक टॉमस कून का जन्म हुआ था।

बांग्लादेश में सोशल मीडिया पोस्ट पर भड़के कट्टरपंथी

हिंदुओं के घरों और दुकानों को लगाई आग, मंदिर में तोड़फोड़

ढाका ■ एजेंसी

बांग्लादेश में हिंदू मंदिर और हिंदुओं के घरों पर हमले का मामला सामने आया है। एक फेसबुक पोस्ट पर भड़के कट्टरपंथियों ने कई घरों को आग के हवाले कर दिया और मंदिर में तोड़-फोड़ की। घटना नरैल जिले के लहागरा गांव की है। यहां भीड़ ने मंदिर पर हमला किया और हिंदुओं के घरों को आग के हवाले कर दिया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक शुक्रवार शाम को भीड़ ने हमला किया, इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हवाई फायरिंग करके स्थिति को संभाला गया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भीड़ ने हिंदुओं की कई दुकानों, घरों और मंदिर को निशाना बनाया है। गुस्साए हुए लोगों को आरोप है कि एक लड़के ने सोशल मीडिया पोस्ट करके मुसलमानों की भावनाओं को आहत किया है। जुमा की नमाज के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हिंसा भड़क गई। पहले मुसलमानों ने प्रदर्शन किया और फिर हमला कर दिया। भीड़ साहापारा मंदिर में घुस गई और यहां के फर्नीचर तोड़ दिए। आसपास की दुकानों में तोड़फोड़ की गई। पुलिस अधिकारी हरन चंद्र पॉल के मुताबिक हवाई फायरिंग करके भीड़ को तितर-बितर किया गया। नरैल के एसपी प्रबीर कुमार रॉय ने कहा है कि अब स्थिति कंट्रोल में है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है जो भी हिंसा के लिए जिम्मेदार पाया जाएगा उसपर कार्रवाई होगी।

अल्पसंख्यकों पर हमले के कई मामले आ चुके हैं सामने

बता दें कि बांग्लादेश में बहुसंख्यक मुस्लिमों द्वारा अल्पसंख्यकों पर हमले के कई मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से बहुत सारे हमले सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों के चलते होते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जनवरी 2013 से सितंबर 2021 तक हिंदुओं पर 3679 हमले हुए। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने पोस्ट करने वाले को ढूंढा, लेकिन न मिलने पर उसके पिता को उठा ले गई। हमला करने वालों में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पोस्ट करने वाले युवक का नाम आकाश साहा बताया गया है। इससे पहले हिंदू कॉलेज के एक प्रिंसिपल को जूते की माला पहनने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर नूपुर शर्मा से जुड़ा पोस्ट किया था।

चीनी विमान एलएसी के करीब आते देखकर करते हैं उचित उपाय

सैन्य स्तर पर जारी बातचीत के बीच वायुसेना ने कहा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और चीन के बीच एलएसी गतिरोध को लेकर सैन्य स्तर पर रविवार को 16वें दौर की बातचीत हुई। इस बीच वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा है कि एलएसी पर वायु गतिविधि पर हमारी ओर से लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि जब भी हमें लगता है कि चीनी विमान एसएसी के बहुत करीब आ रहे हैं, तो हम अपने लड़ाकू विमानों और सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखकर उचित उपाय करते हैं। चीन ऐसा क्यों कर रहा है, इसका कोई एक कारण नहीं बता सकते हैं।

चीन ऐसा क्यों कर रहा है, इसका कोई एक कारण नहीं बता सकते हैं

दरअसल, चीन ने हाल ही एक बार फिर से भारतीय हवाई सीमा का उल्लंघन किया। चीनी वायुसेना के एक विमान ने पूर्वी लद्दाख में तैनात भारतीय जवानों के बेहद करीब से उड़ान भरी। एयर स्पेस में दखलअंदाजी को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत जरूरी कदम उठाए। यह घटना जून के आखिरी हफ्ते में एलएसी के करीब की बताई गई। मामला सामने आने के बाद भारतीय वायुसेना ने इसको लेकर कड़ी आपत्ति जताई।

भारत-चीन के बीच 16वें दौर की सैन्य वार्ता

भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गतिरोध के मुद्दों को हल करने के लिए रविवार को 16वें दौर की उच्चस्तरीय सैन्य वार्ता कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एलएसी पर भारतीय सीमा की ओर चुशूल मोल्दो बैठक स्थल पर सुबह करीब साढ़े नौ बजे वार्ता शुरू हुई। भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के बीच इससे पहले 11 मार्च को वार्ता हुई थी। 15वें चरण की वार्ता में कोई ठोस नतीजा नहीं निकला था। मालूम हो कि बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व लेह स्थित 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अनिंदय सेनगुप्ता कर रहे हैं। वहीं, चीन के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिला प्रमुख मेजर जनरल यांग लिन कर रहे हैं।

अलग हवाई रक्षा कमान की स्थापना से नुकसान संभव

वीआर चौधरी ने शुक्रवार को कहा था कि अलग हवाई रक्षा कमान की स्थापना से फायदा के बदले नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश की वायु शक्ति के सभी तत्वों को मिलकर समन्वय के साथ काम करने की जरूरत है, ताकि भविष्य की विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना किया जा सके। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक 4.5 और पांचवीं पीढ़ी के विमानों की क्षमता व्यापक है और उन विमानों को किसी एक भूमिका तक सीमित कर देने से उनका अपेक्षित उपयोग नहीं हो पाएगा।

रेलवे स्टाफ ने प्रयागराज एक्स. का जन्मदिन मनाया

प्रयागराज (ब्यूरो)। शनिवार को प्रयागराज एक्सप्रेस 12417 के 38 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे स्टाफ एवं प्रयागराज एक्सप्रेस फैंस क्लब के सदस्यों ने धूम धाम से उसका जन्मदिन मनाया। इस अवसर प्रयागराज एक्सप्रेस के टीटीई को एचएचटी (हैंड हेल्ड टर्मिनल) बांटी गई। ज्ञात हो कि वर्तमान वर्ष में अप्रैल से जून अब तक 1.5 लाख यात्रियों को प्रयागराज एक्सप्रेस ने अपने गंतव्य तक पहुंचाया है।

टीटीई को बांटी गई हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी)

शनिवार को स्टेशन डायरेक्टर वीके द्विवेदी की अगुवाई में फैंस ने स्टाफ के साथ गाड़ी के प्रस्थान से पहले केक काटा और खुशी मनाई। उससे पहले वाशिंग लाइन में गाड़ी को सजाया गया। गौरतलब है कि प्रयागराज एक्सप्रेस देश की उन प्रथम ट्रेनों में से है को 24 कोच से चलाई गई थीं और यह एक समय में देश की सबसे बड़ी ट्रेन थी। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों और गाड़ियों पर विशेष आयोजन कर रहा है। प्रयागराज एक्सप्रेस की वर्षगांठ इसी तथ्य को ध्यान में रखकर मनाई गई और यात्रियों को फूल और मिष्ठान वितरण किए गए। साथ ही साथ यात्रियों से हर घर झंडा अभियान के अंतर्गत 15 अगस्त को अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की गई। उत्तर मध्य रेलवे की पहली ट्रेन जिसमें हैंड हेल्ड टर्मिनल की सुविधा प्रारंभ हुई थी - कानपुर-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस थी। इसी क्रम में अन्य ट्रेनों में भी अब चेकिंग स्टाफ को एचएचटी दिए जा रहे हैं।

यूपी के महाधिवक्ता कार्यालय में लगी भीषण आग

कई अहम फाइलें खाक

प्रयागराज, (ब्यूरो)। संगम नगरी में स्थित यूपी के महाधिवक्ता कार्यालय में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। इसकी जानकारी विशेष सचिव न्याय राधे मोहन श्रीवास्तव ने दी गई। इसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई। आधा दर्जन से ज्यादा फायर बिग्रेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। महाधिवक्ता कार्यालय 9 मंजिल पर है।

ऐसा बताया जा रहा है कि सबसे पहले आग आठवीं मंजिल में लगी। जिसके बाद आग नवीं, छठीं और सातवीं मंजिल तक फैल गई। इस बिल्डिंग में रखे तमाम अहम दस्तावेज जलकर खाक हो गए हैं। बिल्डिंग में कंटेम्ट सेक्शन, बेल

सेक्शन, क्रिमिनल अपील सेक्शन, क्रिमिनल रिवीजन और सिविल सेक्शन की फाइलें रखी हुई थीं। मौके पर एडीजी प्रेम प्रकाश, डीआईजी डॉ. राकेश सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम संजय खत्री, एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह और एसपी गंगा पार अभिषेक अग्रवाल एवं सीएफओ डॉक्टर राजीव कुमार पांडेय मौजूद थे।

आधा दर्जन फायर कर्मी भी घायल हुए

आग बुझाने के दौरान आधा दर्जन फायर कर्मी भी घायल हुए हैं, जिन्हें एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए भेजा गया है। आग की लपटें अभी भी रह रह कर निकल रही हैं। आठवीं मंजिल पर आग लगे होने के चलते आग बुझाने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिल्डिंग के अंदर से आग निकल रही है। पूरी तरह से आग पर अभी काबू नहीं पाया गया है। आला अधिकारी आग बुझाने की रणनीति में जुटे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि शार्ट सर्किट की वजह से यह आग लगी है, लेकिन आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी फिलहाल पता नहीं चला है।

मकान की खुदाई में मिला सोने के सिक्के से भरा मटका

जौनपुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में एक मकान की खुदाई के दौरान सोने के सिक्कों से भरा मटका मिलने से हड़कंप मच गया। पूरा मामला जौनपुर के मछलीशहर का है, जहां एक मकान की खुदाई के दौरान सिक्के मिलने की खबर सामने आई। पुलिस ने मकान मालिक के पास से 7 सिक्के बरामद करते हुए उसे कब्जे में ले लिया। हालांकि मकान मालिक का आरोप है कि खुदाई कर रहे मजदूर बाकी सिक्के लेकर रफूचक्कर हो गए।

खजाना लेकर रफूचक्कर हुए मजदूर

मछलीशहर के कजियाना मोहल्ले के मकान में टंकी बनाने खुदाई चल रही थी। इसी दौरान जमीन के अंदर सोने के सिक्कों से भरा मटका मिला। मजदूरों ने मकान मालिक को बिना बताए सिक्के आपसे में बांट लिया। मजदूरों के जाने के बाद मकान मालिक को भी 7 सिक्के मिले, उसके बाद मकान मालिक ने मजदूरों से पूछताछ की तो पता चला सोने के सिक्के से भरा मटका था, जिसमें से कुछ मजदूर ने बांटकर सिक्के अपने साथ ले गए।

खेत में बना रहे थे बम... फटने से दो लोगों की मौत, तीन घायल

मालदा (पश्चिम बंगाल)। प. बंगाल के मालदा जिले में रविवार तड़के एक देसी बम में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान फरजान एसके (45) और सफीकुल इस्लाम (30) के रूप में हुई है। ये सभी मानिकचक थाना क्षेत्र के जेसरथला बालुटोला में एक खेत में बम बना रहे थे, तभी बम में विस्फोट हो गया।

बंगाल के मालदा की घटना

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि स्थानीय लोगों ने देर रात करीब ढाई बजे एक बड़े धमाके की आवाज सुनी। जब तक हमारे कर्मी इलाके में पहुंचे, तब तक तीन घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया था। अस्पताल के चिकित्सकों ने उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य व्यक्ति का मालदा चिकित्कीय कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज हो रहा है।

पाक को विश्व बैंक ने दी 20 करोड़ डॉलर की मंजूरी

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। आर्थिक संकट से गुजर रहे पड़ोसी देश पाकिस्तान को विश्व बैंक ने बड़ी राहत दी है। विश्व बैंक ने शनिवार को पाक में कृषि क्षमता को बढ़ाने और पंजाब प्रांत में कृषि क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर के फंडिग की मंजूरी दी। विश्व बैंक ने एक बयान में कहा कि पंजाब में कृषि क्षेत्र पाक की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा का केंद्र है क्योंकि यह देश के खाद्य उत्पादन का 73 प्रतिशत हिस्सा है।

बैंक के बयान में कहा गया है कि पंजाब लचीला और समावेशी कृषि परिवर्तन परियोजना के तहत वित्तपोषण किया जा रहा है, जो पंजाब सरकार को कृषि क्षेत्र को बदलने के लिए पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को हासिल करने में मदद करने नवीन, जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों को लागू करने में किसानों का समर्थन करेगा। इस परियोजना से ग्रामीण समुदायों में 1,90,000 छोटे परिवार के स्वामत्वि वाले खेतों और 14 लाख एकड़ सिंचित भूमि को लाभ होगा। यह महिलाओं के लिए जल संरक्षण और अधिक टिकाऊ, जलवायु-लचीला कृषि प्रथाओं पर छोटे और मध्यम आकार के खेत मालिकों को प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा।

सियासत जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति बने तो संसद में बढ़ेगा राजस्थान का कद

दोनों सदनों के अध्यक्ष होंगे राजस्थान के नेता

जयपुर ■ एजेंसी

एनडीए ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। धनखड़ का राजस्थान से पुराना नाता है। उनका जन्म झुंझुनू जिले के छोटे से गांव किथाना में 18 मई 1951 को हुआ था। वह सुप्रीम कोर्ट के कामयाब वकील भी रह चुके हैं। इसके अलावा 1989 में झुंझनू लोकसभा सीट से वह सांसद बने। 1993 में किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से वह विधायक भी चुने गए थे। जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित कर भाजपा ने राजस्थान में सियासी समीकरण भी साधे हैं। उनकी जीत के बाद संसद में राजस्थान का कद और

बढ़ेगा। वर्तमान में मोदी कैबिनेट में राजस्थान के चार नेता शामिल है। इनमें गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी और भूपेंद्र यादव शामिल है। गजेंद्र सिंह शेखावत के सामने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत की लोकसभा चुनाव में करारी हार हुई थी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी राजस्थान के ही

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी राजस्थान के कोटा के रहने वाले हैं। जगदीप धनखड़ की जीत के बाद वह राज्यसभा के अध्यक्ष होंगे। ऐसे में देश की दो सबसे बड़ी पंचायतों में राजस्थान मूल के नेता होंगे। धनखड़ जाट समाज से आते हैं। वह जाट महासभा की आरक्षण समिति के प्रवक्ता भी रह चुके हैं। उन्होंने राजस्थान में जाटों के आरक्षण और ओबीसी का दर्जा दिलाने के लिए काफी मेहनत की थी।

भैरोंसिंह शेखावत भी रह चुके हैं उपराष्ट्रपति

राजस्थान के सीकर जिले के गांव खाचरियावास के एक गरीब राजपूत परिवार में 23 अक्टूबर 1923 को जन्मे भैरोंसिंह शेखावत भी उपराष्ट्रपति रह चुके हैं। 1952 में देश में पहली बार हुए आम चुनाव में शेखावत ने सीकर जिले के दांतारामगढ विधानसभा क्षेत्र से भाग्य आजमाया और विधायक बने। इसके बाद उनक राजनीतिक सफर लगातार परवान चढ़ता रहा। 2002 से 2007 तक शेखावत देश के उपराष्ट्रपति रहे। 15 मई 2010 को इनका निधन हो गया था।

दो पालीटेक्निक और 18 छात्रावासों का हस्तांतरण

लखनऊ (ब्यूरो)। प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप मंत्री आशीष पटेल रविवार को प्रदेश सरकार के 100 दिन पूरे होने पर प्राविधिक शिक्षा विभाग की उपलब्धियों के संबंध में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी।

प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा 100 दिवसीय कार्ययोजना के अंतर्गत कुल 05 कार्य पूर्ण किए जाने के लिए लक्ष्य तय किए गए थे, जिनमें से 04 कार्य पूर्ण तथा 01 कार्य प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि विभाग के अंतर्गत 02 राजकीय पालीटेक्निक बछरांवा रायबरेली एवं किशनी मैनपुरी के आवासीय/अनावासीय भवन के साथ 15 निर्माणाधीन छात्रावासों के कार्यों को पूर्ण कराने का लक्ष्य रखा था। 02 पालीटेक्निक तथा 15 छात्रावासों के सापेक्ष 18 निर्माणाधीन छात्रावासों का निर्माण कार्य पूर्ण कराकर हस्तांतरित कराया गया है तथा इन्हें जनोपयोगी बनाया जा रहा है। प्रदेश की पालीटेक्निक संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र व छात्राओं को नवीन तकनीकी ज्ञान अर्जित करने एवं समस्त विभागीय गतिविधियों तथा संस्थानों में उपलब्ध इनवेन्ट्री से अवगत कराने के उद्देश्य से यू-राइज पोर्टल विकसित किया गया है।

अलवर सरस डेयरी के नवनियुक्त चेयरमैन विश्राम सिंह गुर्जर का हुआ स्वागत सम्मान

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। अलवर सरस डेयरी के नवनियुक्त चेयरमैन विश्राम सिंह गुर्जर के स्वागत सम्मान हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता जहाडू सरपंच धपली प्रहलाद सिंह चौधरी द्वारा की गई। राम प्रसाद सेन बादसु ने बताया कि चेयरमैन ने पदभार ग्रहण करते ही किसानों के हित में दुग्ध की रेट 5 रुपए बढ़ाए और किसानों और पशुपालकों के हित में कार्य करेंगे। और सभी सचिवो के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा। सभी सचिवों ने अतिथियों का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। डेयरी सचिव करण सिंह चौधरी ने सचिवों की समस्या बताई जिनका चेयरमैन ने निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर शिवलाल डायरेक्टर हरिकिशन पाडली, रहमान खान डेयरी कर्मचारी, अशोक शर्मा,भजनलाल शर्मा, नारायण सिंह, जिला पार्षद राजेश गुर्जर, राजेश मीणा रामपुरा ,राम प्रसाद सेन बादसु ,चेतराम, सीताराम, रामकिशन, प्रकाश अर्रुवा ,जयराम गुर्जर ,धोल्या पंडित ,रोहित डायरेक्टर एवं सैकड़ों की संख्या में सचिव एवं अध्यक्ष मौजूद रहे। समापन कार्यक्रम में राजेश रामपुरा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया।

सरस डेयरी चेयरमैन का गुर्जर धर्मशाला धोलागढ़ में हुआ स्वागत सम्मान

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। गुर्जर धर्मशाला धौलागढ़ पर गुर्जर समाज के द्वारा सरस डेयरी के नवनिर्वाचित चेयरमैन विश्राम गुर्जर का स्वागत किया गया। जिला पार्षद राजेश गुर्जर ने बताया कि सरस डेयरी के नवनिर्वाचित चेयरमैन विश्राम गुर्जर का स्वागत किया। जिसमें गुर्जर समाज के सभी लोग मौजूद रहे। इस मौके पर जिसमें जिला पार्षद संजय गुर्जर ने बताया किसानों की दूध की रेट बढ़ाई जाए और दूध मिलाबट उसके ऊपर रोक लगा जाए जिस पर विश्राम गुर्जर ने पूर्ण विश्वास दिलाया जिसमें चरण सिंह सहाड़ी,खूबी राम, दयाराम, कमलेश, प्रताप ,हरवीर, तोताराम ,महेंद्र गजेंद्र, रामवीर ,लखन, मंतूराम हरिश्चंद्र, हरलाल, रमेश, राजेश ,कल्लू राम आदि मौजूद रहे।

कठूमर ग्राम पंचायत में 4 बार सरपंच रहे किशनलाल खंडेलवाल का हृदियगति रूकने से हुआ निधन

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। कस्बे के पूर्व सरपंच किशनलाल खंडेलवाल का हृदियगति रूकने से निधन हो गया। वही रविवार को शोक में आधे दिन कठूमर कस्बा बंद रहा। सभी व्यापारियो ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनलाल खंडेलवाल बर्ष 1962, 1978, 1982 एवं 2010 में ग्राम पंचायत कठूमर के सरपंच रहे। वही 1965 राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी बने। कस्बा निवासी किशनलाल खंडेलवाल को पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का नजदीकी माना जाता है। खंडेलवाल के निधन पर उनका अंतिम संस्कार कस्बे के मोक्षधाम पर उनके बडे पुत्र अनिल खंडेलवाल ने मुखाग्नि दी।

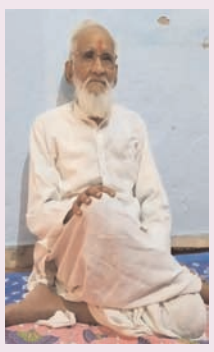

जुरहरा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधारोपण

मरुधर हिंद /आमिर खान कामां

कामां -भाजपा मंडल जुरहरा की कार्यसमिति की बैठक मंडल अध्यक्ष गजराज आर्य की अध्यक्षता व प्रभारी सतीश बंसल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र जैन जिला उपाध्यक्ष मनीष शर्मा व सुबरन फौजी थे7

बैठक में वक्ताओं ने पार्टी की रीति नीति के बारे में विस्तार से बताया गया।पूर्व प्रधान रविंद्र जैन द्वारा राजस्थान सरकार की विफलताओं के बारे में बताया गया ,सुबरन द्वारा केंद्र सरकार की 8 साल की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया गया 7 सतीश बंसल द्वारा संगठन को मजबूत करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए।मनीष शर्मा द्वारा जुरहरा मंडल के सभी कार्यकर्ताओं को बूथ समिति एवम् पन्ना प्रमुख बनाने के लिए एवम् पूरे मंडल में प्रत्येक कार्यकर्ता को पेड़ लगाने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई। तथा पौधारोपण की शुरुआत आज ही पेड़ लगाकर की गई । बैठक मे पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहम्मद जुम्मे खान मंडल महामंत्री प्रेमचंद शर्मा, रामपाल गुर्जर, फत्ते राम नोनेरा ,नसरी बेगम , फंटू लाल,धर्म फागना , वेदप्रकाश जाटव ,तरुण जैन, कंचन जायसवाल, डालचंद गड़सिया,राकेश बघेल उदय सिंह ऐंचवाड़ा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

खेरली कस्बे के अग्रवाल समाज कार्यकारिणी के चुनाव हुए संपन्न,। गोपाल बंसल बने अध्यक्ष

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। खेरली कस्बे के अग्रवाल समाज कार्यकारिणी के चुनाव 17 जुलाई वार रविवार को संपन्न हुए समाज के चुनाव अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मित्तल ने बताया कि 2021 में हुए चुनाव को समय से पूर्व भंग कर देने के चलते 2022 व 2024 द्विवार्षिक कार्यकारिणी के चुनाव आज करवाए गए जिसमे अध्यक्ष पद पर गोपाल बंसल, उपाध्यक्ष पद पर रामावतार मंगल, उपमंत्री पद पर नरेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष पद पर लवकुश, व्यवस्थापक पद पर देवांशु गर्ग एवं अंकेक्षक पद पर निर्विरोध चुने गए एक मंत्री पद पर 24 जुलाई वार रविवार को चुनाव होगा एवं उसी दिन सभी पदाधिकारियों को निर्वाचन अधिकारी द्वारा शपथ दिलाई जाएगी। इस दौरान मनोहर लाल बंसल, अशोक गीजगढ़िया, सुनील बाबूजी, पूर्व चेयरमैन वेदप्रकाश, राधेलाल सिंघल, अमरनाथ गर्ग, मोहनलाल बंसल (सुखाडिया), संजय तेल वाले, रामावतार गुड़वाले, हेमराज गोयल, सत्यवृत आर्य टाल वाले, भगवान मित्तल, मोहनलाल सुंद्रावली, वेदप्रकाश गोयल, अंकित सिंघल एवं प्रवीण जिंदल सहित समाज के अनेक अग्रबंधु उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय किन्नर सम्मेलन में जमीन पर बैठकर मंत्री जूली ने की सामाजिक चर्चा

मरूधर हिन्द

कठूमर ।दिनेश लेखी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने रविवार को अलवर में आयोजित हो रहे अखिल भारतीय किन्नर सम्मेलन में शिरकत की।

मंत्री जूली ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार ट्रांसजेन्डरों के प्रति संवेदनशील है। इनके कल्याण हेतु राज्य सरकार द्वारा राजस्थान ट्रांसजेन्डर कोष का गठन किया गया है। जिसका उद्देश्य ट्रांसजेन्डर समुदाय को आत्मनिर्भर करने एवं मुख्यधारा से जोडना है। इसके अन्तर्गत ट्रांसजेन्डर बच्चों को छात्रवृति, स्वरोजगार हेतु ऋण, आईडी कार्ड एवं सम्मेलन हेतु आर्थिक सहयोग का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ट्रांसजेन्डरों को विशेष योग्यजन के समान पेंशन देने का प्रावधान किया है जिसका लाभ दिलाने के लिए ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन पहचान पत्र बनाए जा रहे हैं जो कि आवेदन करने के एक माह की अवधि में बन रहे हैं। पहचान पत्र बनने पर सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पेंशन का हक इन्हें दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगला अखिल भारतीय ट्रांसजेन्डर सम्मेलन राज्य सरकार की सहयोग राशि से कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अलवर का यह सौभाग्य है। कि पूरे देश के ट्रांसजेन्डर का सम्मेलन यहां आयोजित हो रहा है। ट्रांसजेन्डर द्वारा मंत्री जूली का माला व शॉल ओढाकर सम्मान किया। उन्होंने शालीनता का परिचय देते हुए ट्रांसजेन्डर समुदाय की राखी बाई को पुष्प गुच्छ भेंट कर तथा शॉल पहनाकर सम्मान किया।

सेल्फी लेकर मंत्री जूली ने दिया व्यक्तित्व का परिचय

ट्रांसजेन्डर सम्मेलन के बीच पहुंचे मंत्री जूली ने हाथ जोड़कर ट्रांसजेन्डरों के बीच अभिभावन किया वहीं उन्होंने मंत्री जूली का ताली बजाकर स्वागत किया। उन्होंने उनके साथ सेल्फी खिंचवाकर अपने साधारण व्यक्तित्व का परिचय दिया।

जमीन पर बैठकर टीकाराम ने की सामाजिक चर्चा

मंत्री टीकाराम ने मंगल परिणय में आयोजित ट्रांसजेन्डर कार्यक्रम में विश्राम कर रही ट्रांसजेन्डर के बीच जाकर जमीन पर बैठकर उनसे सामाजिक चर्चा बातचीत की। पाली से आई आशा कुंवर से प्रभारी मंत्री पाली टीकाराम जूली ने उनकी समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पूरे प्रदेश के ट्रांसजेन्डरों को विकास की मुख्य धारा से जोडने के लिए उनके अपने विभाग समाज कल्याण के माध्यम से विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

अलवर जिला व प्रदेश में बनेगा सामुदायिक भवन

केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने ट्रांसजेन्डर सम्मेलन में उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि अलवर जिला तथा राजस्थान प्रदेश के जयपुर जिले में राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुसार शीघ्र ही कार्ययोजना तैयार ट्रांसजेन्डरों के लिए विशेष सामुदायिक भवन बनाया जाएगा।

इस दौरान ट्रांसजेन्डर मंजूबाई, बीनाबाई, शशीकला बाई, नन्दनीबाई, प्रधान दौलतराम जाटव, पूर्व सभापति अजय अग्रवाल, सरपंच बबल यादव, सोनू गोपालिया, धारासिंह उपस्थित रहे।

नए पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

रोटरी क्लब के पदभार ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारी

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़ रोटरी क्लब कुशलगढ़ का सत्र 2022-23 में चयनित नए पदाधिकारियों का पद ग्रहण समारोह नगर के टाउन हॉल में रविवार को आयोजित किया गया।सरस्वती माता की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित किया। सत्यम शिवम् सुंदरम प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें इंस्टालेशन ऑफिसर मुख्य अतिथि निर्मल कुमावत,विनय तलवाडिया,उपखंड अधिकारी कल्पित शिवरान, तहसीलदार वीरेन्द्र सिंह राठौड़, विशिष्ट अतिथि पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई डामोर,नपा अध्यक्ष बबलू मईडा, नपा उपाध्यक्ष नितेश बैरागी, नेता प्रतिपक्ष रजनीकांत खाबिया थे। मुख्य अतिथि निर्मल कुमावत ने नए पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब विश्व स्तर पर समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाली अग्रणी संस्था है। पल्स पोलियो को विश्व स्तर पर समूल नष्ट करने के बाद रोटरी क्लब मानव समाज को साक्षर बनाने का बीड़ा उठाया है। मानव जीवन के स्तर को सुधारने के लिए साक्षरता सबसे महत्वपूर्ण योगदान निभाने का काम करता है। इसी क्रम में नव नियुक्त अध्यक्ष धर्मेंद्र कंसारा एडवोकेट ने कहा कि रोटरी क्लब गरीब, कमजोर एवं असहाय की मदद के धेय से कार्य करेगा। इसके अलावा इंटरनेशनल कार्यों को भी जन-जन तक अपनी टीम के साथ पहुंचाने का काम करेगा। इस मौके पर नपा अधिशाषी अधिकारी सोहनलाल नायक राउमावि कुशलगढ़ प्रधानाध्यापक भीमजी सुरावात,कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जयंतीलाल कोवालिया,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राघवेश चरपोटा,महिलाए सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे। रोटरी क्लब की टीम में शामिल है हरेंद्र पाठक एडवोकेट,श्रेयश भट्ट एडवोकेट,फकरुद्दीन कापाड़िया,राजेन्द्र गादिया,मुकेश अग्रवाल,मुकेश नाहटा, कमलेश कावड़िया,अरुण गुप्ता,जितेंद्र राठौड़, सुधीर गादिया, राजकुमार प्रजापत, सुधीर स्वर्णकार,मनोज धनावत,मनीष लुणावत प्रफुल खाबिया,हितेश पडियार,मनोहर कावड़िया,दीपेश पंचाल,रितेश बम,राहुल चोपड़ा,लोकेश बाठिया,मयंक लुणावत,अंकित कावड़िया,संदीप डोशी,सौरभ गादिया,आशीष नाहटा,अमित लुणावत,पिंकेश चंडालिया,परीक्षित पंचाल,मयंक चोरड़िया,अर्पित नाहटा,स्वाधीन लुणावत,हितेश चण्डालिया,नयन सोनी,यश खाबिया, रोनक सेठ,सौरभ स्वर्णकार,राज लुणावत,अर्पण कटारिया है। पंकज लुणावत और अर्चना गादिया संचालन ने किया।

मंत्री टीकाराम जूली ने रविवार को मोती डूंगरी स्थित कार्यालय में जनसुनवाई की

मरुधर हिन्द /दीक्षित कुमार

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने रविवार को मोती डूंगरी स्थित कार्यालय में जनसुनवाई की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के निस्तारण के लिए अलवर व जयपुर मुख्यालय पर नियमित रूप से जनसुनवाई की जा रही है। जनसुनवाई में जिले व प्रदेश से आए लोगों की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में विभागीय अधिकारियों को लगातार निर्देश दिए जा रहे है। वर्तमान में मुख्यतौर पर स्थानान्तरण सहित अन्य समस्याओं का निपटारा कर आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जनसुनवाई कार्यक्रम रखा गया है।

अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव पूनखर के राजकीय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में विज्ञान संकाय स्वीकृत कराने पर सैकडों की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर मंत्री जूली का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शैक्षिक स्तर को मजबूत बनाने के उद्देश्य से लगातार नीतिगत फैसले कर रही है।

अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव भजीट, सालपुरी, गुजुकी एवं मदनपुरी के ग्रामीणों ने कार्यालय पहुंचकर संयुक्त रूप से मंत्री जूली का स्वागत करते हुए आभार जताया। उन्होंने कहा कि अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के सतत विकास के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे है।

अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने मंत्री टीकाराम जूली एवं सरस डेयरी के नवनिर्वाचित चेयरमैन विश्राम गुर्जर का मिठाई खिलाकर अभिनन्दन किया। मंत्री जूली ने कहा कि सरस डेयरी के माध्यम से अलवर जिले के निवासियों के लिए शुद्ध डेयरी उत्पादों को पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराना प्राथमिकता देगे। इस अवसर पर बी.एल मीना, किसान नेता धरमी चौधरी, सरपंच हजारी लाल, चरण चौधरी, मनोहरलाल शर्मा, नूर मोहम्मद, राधेश्याम शर्मा, रामजीलाल, रामभरोस चौधरी, गबरू, सरदार चौधरी, किशनलाल, राजेन्द्र, परसादी लाल, कालूराम, हेमराज, अनिल मुद्गल, अमरचंद जाटव, बलबीर सिंह भजीट, राकेश जाटव, रवि, फूलसिंह, विनोद, राहुल मेहराणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

केवीके गुंता में मनाया आईसीएआर का स्थापना दिवस

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। सरसों अनुसंधान निदेशालय भरतपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित गुंता स्थित कृषि विज्ञान केंद्र ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली का 94 वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर भा.कृ. अनु.प. के मुख्यालय नई दिल्ली पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किसानों की आमदनी दोगुनी करने में भागीदार किसानों व अन्य किसानों व को दिखाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने कहा कि परिषद ने पिछले एक वर्ष में बागवानी की 109 नई किस्में, 29 पंजीकृत तकनीकियां, खाद्य प्रसंस्करण के तहत 9 नई मूल्य संवर्धन तकनीकिया व कृषि शिक्षा में परिषद के बढ़ते कदमों का उल्लेख किया। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने उन्नत कृषि बीज व पौध उपलब्धता बढ़ाने पर जोर देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री पुरुषोत्तम रुपाला ने स्थानीय कृषि प्रजातियों व तकनीकों पर वैज्ञानिकों से कार्य कर वैज्ञानिक तरीके से सिद्ध करने का आह्वान किया। इस मौके पर 75000 किसानों की आमदनी दोगुनी करने की बुकलेट का विमोचन किया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आय में हुई वृद्धि के भागीदार सभी 75 हजार किसानों से कृषि विज्ञान केंद्रों को विचार-विमर्श कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। तोमर ने जलवायु परिवर्तन पर वैज्ञानिकों से काम कर खाद्यान्न में देश को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया व स्थापना दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाने का भी आवाह्न किया। कार्यक्रम के अंत में परिषद के वैज्ञानिकों, अनुसंधान संस्थाओं, व कृषि विश्वविद्यालयों को उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को कृषि विज्ञान केंद्र सबसे वैज्ञानिक बजरंग लाल ओला ने संबोधित करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र गुंता व क्षेत्र के विभिन्न गांव जैसे बाबरिया, डालू सिंह की ढाणी, बिलाट, शाहपुर एवं गुंता,खोहरी, लालावाली की ढाणी में विभिन्न फसलों के अनेक प्रदर्शन लगाए गए तथा उन किसान भाइयों की आय दुगनी की सफलता की कहानियां लिखी गई। किसान भाइयों के 2016-2017 का आधार वर्ष एवं 2020-21 का अंतिम वर्ष के फसल उत्पादन आंकड़ों में अंतर विश्लेषण किया गया पाया कि किसान भाइयों द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र से प्रशिक्षण लेने के बाद उन्नत कृषि तकनीकी अपनाकर जैसे- उन्नत बीजों का प्रयोग,अनावशक जुताई कम करना, बीज उपचार, समय पर बुवाई करना, उन्नत बीजों का प्रयोग, समय पर निराई गुड़ाई, खरपतवार प्रबंधनएवं मृदा जाँच के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग कारण प्रति हेक्टेयर लागत में कमी देखी गई, एवंअधिक उत्पादन मिला जिसके कारण किसानों की शुध्दआय में इजाफा हुआ। अंतर विश्लेषण करने पर पाया कि किसान भाई की दुगनी से ज्यादा आय प्राप्त हुई क्योकि किसान भाई उन्नत कृषि तकनीकी अपनाकर के उसकी लागत में 25 से 30 प्रतिशत की कमी देखी गई तथा साथ ही साथ फसल उत्पादन में 30 से 40 प्रतिशत बढ़ोतरी होने पर किसान की आय लगभग दुगनी प्राप्त हुई इसका मुख्य कारण किसानो को न्यूनतम समर्थन मूल्य में हुई वृद्वि का भी बहुत बड़ा योगदान देखा गया। केंद्र की पौध संरक्षण विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के तहत चुने गए किसानों को सबसे पहले आधार रेखा के सर्वेक्षण में पाये गए कमीयों जैसेकि पौध सुरक्षा के उपायों को वैज्ञानिक तरीके से नहीं करना जैसे कि फफूंद नाशक व कीटनाशकों को एक साथ मिलाकर छिड़काव करना, मिश्रण के गलत तरीके, खरपतवारनाशक के छिड़काव के पश्चात छिड़काव की गई मशीन की अच्छी तरह से सफाई नहीं करना कीट व रोगों को पहचानने में असमर्थ,कीट व रोगों से बचाव के लिए हमेशा कीटनाशकों पर निर्भर रहना , कीट व रोगों से बचाव के अन्यतरीके जैसे भौतिक विधि, परंपरागत, यांत्रिक विधि जैसे फेरोमोन ट्रैप एवं चिपचिपा कार्ड लगाना और वनस्पतिक या जैविक कीटनाशकों को नहीं अपनाना इतयादि खेती को उच्च लागत की ओर ले जाता है जिसके परिणाम स्वरूप आमदनी कम होती है। किसान बाजरा ग्वार गेहूं और सरसों ही लेते थे इस क्षेत्र,कन्द्रे की स्थापना के बाद केवीके ने किसानो को प्रशिक्षण के दौरान कीटनाशकों के अनुप्रयोग के बारे में भी बताया व अन्य तरीके जैसे कि ग्रीष्मकालीन में खेतों की गहरी जुताई, फसल चक्र, अंत:फसल, फेरोमोन ट्रैप पीला/नीला कार्ड खेतों में लगाना, नीम तेल के प्रयोग एवं ट्राइकोडरमा व सूडोमोनास इत्यादि के उपयोग को भी बताया। इसके साथ ही किसानों को मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में भी बताया जिससे कि किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके। बाजरा,गवार, कपास, सरसों, गेहूं और सब्जियों की फसलें जैसे टमाटर गाजर लोकी में पोषक तत्वों की संतुलित मात्रा में व विधि अपनाकर एवं एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन करके फसल उत्पादन में 7.29 से 80 प्रतिशत तक बढ़ाया,साथ ही यह बढ़वार 100 प्रतिशत तक भी देखा गया है खासकर नई फसलों को अपनाकर जैसे मशरुम उत्पादन एवं सब्जी के उत्पादन करके। आधार वर्ष 2016-17 की तुलना मैं वर्ष 2020-21 आमदनी में 100 से 207 प्रतिशत तक हुई। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार शर्मा ने कहा कि पशुओं से अधिक उत्पादन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले पशुओं की आवश्यकता होती है इसलिए किसानों को पशु से अधिक उत्पादन मिले जिसके लिए उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले नर पशु से प्रजनन कर उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों को प्राप्त करने के लिए सलाह दी गई जो कि किसानों की आय को दोगुना करने में सहायक सिद्ध हुई।

भामोलाव के शुभम ने किया नाम रोशन

मरूधर हिन्द/अराई/प्रकाश भागनानी

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी छुपी है प्रतिभाएं, बस जरूरत है इनको निखारने की, ऐसा ही काम कर दिखाया है अंराई के समीप भामोलाव कस्बे के प्रतिभाशाली छात्र शुभम मेहता पुत्र कमल कुमार मेहता ने, जिसने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने परिवार एवं गांव का नाम रोशन किया है । भामोलाव ग्राम पंचायत के मेधावी एवं होनहार छात्र शुभम मेहता को चार्टेड अकाउंटेंट बनने के मौके पर प्रधान सीता देवी शैतान पूनिया भामोलाव सरपंच किस्मत शिवराज बागड़ी पूर्व सरपंच जगदीश प्रसाद जांगिड़ पंचायत समिति सदस्य सुरेश नाथ जोगी मनोज भंडिया सहित भारत विकास परिषद के सदस्यों एवं प्रमुख गणमान्य नागरिकों ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रकट की!

वानर की निकाली वैकुण्ठी यात्रा

मरूधर हिन्द /अराई/प्रकाश भागनानी

कस्बे अराई स्थित पावर हाउस चौराहे पर एक बंदर की करंट लगने से मौत हो गई जिस पर ग्रामीणों ने वानर की वैकुण्ठी यात्रा निकाली । ग्रामीणों ने बताया कि रामद्वारा महंत महाराज रामप्रकाश रामस्नेही, पंचमुखी हनुमान जी मंदिर मण्डल, सरपंच रामस्वरूप नायक सहित ग्रामीणों ने गांव में गाजे बाजे और पुष्प वर्षा तथा भगवान श्रीराम व हनुमान जी के जयकारो के वैकुण्ठी यात्रा निकाली तथा खापरिया तालाब में पारम्परिक रिती रिवाज से अंतिम संस्कार किया । इस दौरान समाजसेवी मुकेश कलवार, बांद्रा बालाजी मंदिर पुजारी नन्द किशोर शर्मा , पंचमुखी बालाजी मंदिर पुजारी ओमप्रकाश वैष्णव, प्रहलाद साहू योगेश दौलतवाल, गिरधर गोपाल शर्मा, मदन गोपाल गौड , रामप्रसाद शर्मा, देवी दास भागनानी , संजय शर्मा, दीपक व्यास, नीरज पाराशर , रामस्वरूप गुलानिया सहित ग्रामीण मौजूद थे।

19 जुलाई को मनायी जायगी क्रांति जनक शहीद मंगल पांडे की जयंती ।

मरुधर हिन्द/ दीक्षित कुमार

अलवर। सर्व समाज अलवर के युवाओ द्वारा क्रांति जनक शहीद मंगल पांडे की जयंती रेलवे स्टेशन रोड तिराहा पर मनाया जाएगी । शहीद मंगल पांडे जी का जन्म 19 जुलाई 1857 को बलिया उत्तर प्रदेश मे हुआ था । 29 मार्च को अंग्रजो के खिलाफ चर्बी वाले कारतूस बन्दूक मे डालने को लेकर विद्रोह किया ओर दो अन्ग्रेज अधिकारी मार गिराये । ओर 1857 क्रांति की सुरुआत करके क्रांति जनक कहलाये । तत्पश्चात 8 अप्रेल 1857 को मात्र 30 वर्ष की आयु मे बेरक पुर छावनी मे मंगल पांडे जी को ब्रिटिश हुकुमत ने फांसी की सजा सुनायी मंगल पांडे जी के इस बलिदान को याद रखकर इनकी जयंती मनाने का निर्णय सर्व समाज अलवर के युवाओ ने लिया है जो रेलवे स्टेशन रोड तिराहा पर मनायी जाएगी ।

रास्ता नही होने पर सड़क पर रखना पडा वृद्ध महिला का शव

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। उपखंड के मथुराहेडा गांव में श्मशान को रास्ता नही होने से करीब एक घंटा वृद्ध महिला का शव सड़क पर रखना पडा। वही पुलिस पहुचने के बाद खेतो की तारबंदी हटा कर शमशान पहुच कर अंतिम संस्कार किया गया। मृतका के पौत्र हेमप्रकाश जाटव ने बताया उसकी दादी रामदेई उर्फ सुमित्रा जाटव की मृत्यु हो गई। जिसके अंतिम संस्कार के लिये गये तो रास्ते वाले खेतो में तारबंदी पाई गई। जिस पर कठूमर पुलिस को सूचना दी गई। जिससे दादी का शव सड़क पर रख कर तारबंदी हटाने के लिये करीब एक घंटे का इंतजार करना पडा। मौके पर कठूमर पहुँची और तारबंदी हटवाई गई। उसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। इधर ग्रामीणो ने प्रशासन से श्मशान घाट के लिये रास्ता दिलवाने की मांग की है।

वरिष्ठ प्रबोधक को पदोन्नति देने के आदेश जारी करने संबंधी ज्ञापन मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार के नाम सौंपा ज्ञापन

मरुधर हिन्द/ दीक्षित कुमार

अलवर। प्रबोधक संघ राजस्थान की अलवर जिला इकाई ने प्रदेश महामंत्री संजय कौशिक के नेतृत्व में अलवर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष योगेश मिश्रा को उनके निवास मौजपुर हाउस अलवर में मिलकर प्रबोधक पदोन्नति के निदेशक प्रारंभिक शिक्षा द्वारा जारी आदेश दिनांक 30.06.22 को प्रत्याहारित कर स्पष्ट आदेश द्वितीय श्रेणी अध्यापक के समकक्ष पद पर वरिष्ठ प्रबोधक को पदोन्नति देने के आदेश जारी करने संबंधी ज्ञापन मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार के नाम सौंपा । कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने संघ के शिष्टमंडल को आश्वस्त किया कि वे तत्काल सौंपे गये ज्ञापन एवं अपनी अनुशंसा का पत्र तत्काल आज ही मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार एवं शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला को अभी मेल कर रहे हैं एवं शीघ्र ही एक-दो दिन में जयपुर शिक्षा मंत्री डॉक्टर बी डी कल्ला से मिलकर प्रबोधक पदोन्नति से संबंधित विषय को पुरजोर तरीके से रखेंगे और इसका सकारात्मक समाधान निकलवाने का प्रयास करेंगे इस अवसर पर संघ के शिष्टमंडल में रैणी ब्लॉक अध्यक्ष शीला प्रदान ,महामंत्री हरिप्रसाद शर्मा राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के अलवर जिला महामंत्री पीयुष पंडित जाडला सहित प्रबोधक शेर मोहम्मद, भवानी शंकर शर्मा, मोहित नरूका, मंजू शर्मा ,गीतेश शर्मा, मनोहर लाल ,निशा चौहान,सीता शर्मा सहित बड़ी संख्या में अलवर के प्रबोधक उपस्थित रहे।

दखल

संकट सत्ता का नहीं, मूल्यों का

दल-बदल कानून में कुछ नए प्रावधानों को शामिल करने की जरूरत है। मसलन, दल-बदल पर सदस्यों को अयोग्य ठहराए जाने के मामले में निर्वाचन आयोग की सलाह पर राष्ट्रपति या राज्यपाल का निर्णय अंतिम होना चाहिए। इस संबंध में चुनाव आयोग की भूमिका का भी विस्तार किया जाना चाहिए। दूसरा, राजनीतिक दलों के व्हिप जारी करने के अधिकार को सीमित किया जाना चाहिए। इसे तभी जारी करना चाहिए, जब सरकार सदन में विश्वासमत के खतरे से जूझ रही हो।

सत्ता के लिए सत्य और बहुमत के मध्य का संघर्ष कोई नई बात नहीं है। महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच उद्धव सरकार के त्यागपत्र के बाद नई सरकार के गठन की आजमाइश शुरू हो गई है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर दल-बदल में शामिल विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। विचारणीय प्रश्न है कि संविधान में दल-बदल निरोधक प्रावधानों के होते हुए भी यह राजनीतिक तोड़-फोड़ रुक क्यों नहीं रही? आजादी के मात्र दो दशकों के भीतर ही राजनीति में सत्ता लोलुपता और अवसरवादी राजनीति का विद्रूप दौर प्रारंभ हो गया और सैद्धांतिक-राजनीतिक मूल्यों की तिलांजलि दी जाने लगी। राजनीतिक दलों द्वारा जनादेश की अनदेखी करते हुए जोड़-तोड़ कर सरकारें बनाई और गिराई जाने लगीं। दल-बदल को प्रश्रय मिला। इस घातक परंपरा तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण की संवैधानिक रोकथाम के लिए 1985 में दल-बदल कानून पारित हुआ। इसके तहत संविधान के चार अनुच्छेदों क्रमशः 101, 102, 190 और 191 को संशोधित किया गया तथा दसवीं अनुसूची भी जोड़ी गई।

इस अधिनियम के तहत किसी भी राजनीतिक दल के उस सदस्य को संबंधित सदन की सदस्यता के अयोग्य माना गया है, जो अपने दल की सदस्यता त्याग कर सदन में अपने दल के निर्देशों के विपरीत मत देता या मतदान के समय अनुपस्थित रहता है। निर्दलीय सदस्य के संबंध में, अगर वह निर्वाचित होने के बाद किसी राजनीतिक दल की सदस्यता ग्रहण कर लेता है, तो अयोग्य हो जाता है। मनोनीत सदस्य अगर सदस्यता पाने के छह माह बाद किसी दल की सदस्यता ग्रहण कर ले, तो उसे भी अयोग्य माना जाएगा। दल-बदल के कारण उत्पन्न अयोग्यता संबंधी विवादों पर निर्णय का अधिकार सदन के अध्यक्ष को प्राप्त है। इसके अलावा दसवीं अनुसूची के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए विनियम निर्माण की शक्ति भी सदन के अध्यक्ष को दी गई है। हालांकि ऐसे नियमों को सदन के समक्ष तीस दिन के लिए रखना आवश्यक है तथा सदन इन नियमों को स्वीकृत-अस्वीकृत या उनमें सुधार कर सकता है।

मगर प्रथम दृष्टतया आकर्षक लगने वाली दसवीं अनुसूची के उपबंध आलोचना से परे नहीं हैं। इसके मुख्यतः दो आधार हैं। प्रथमतः व्यक्तिगत दल-बदल का निषेध करते हुए यह व्यापक आधार पर दलबदल को प्रोत्साहन देता है। द्वितीय, अयोग्यता से दी गई छूट के उपबंधों के कारण इसने सरकारों को अस्थिर करने में सहयोग ही किया है। इसके अलावा, उक्त अधिनियम के अंतर्गत नामित और निर्दलीय सदस्यों के मध्य किया गया भेद पूर्णतः अतार्किक है। नामित सदस्य किसी दल की सदस्यता ग्रहण कर सकता है, किंतु निर्दलीय सदस्य ऐसा करे तो वह अयोग्य हो जाता है। साथ ही दसवीं अनुसूची के उपबंध किसी सदस्य के दल-बदल और उसकी असहमति के मध्य विभेद को व्यक्त नहीं कर पाते हैं। ये विधायिका के स्वविवेक व विचारों की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करते हैं, जिससे दलीय अनुशासन के नाम पर दल की अधिकारिता को और विस्तार मिलता है। सदन के अध्यक्ष के निर्णय की शक्ति भी आलोचना से परे नहीं है। पहला तो राजनीतिक प्रतिबद्धताओं के कारण उसका निर्णय दूषित होने की संभावना बलवती होती है। पिछले कई वर्षों से कई राज्यों की विधानसभाओं में अध्यक्ष द्वारा अपने संबंधित राजनीतिक दल के अनुकूल किए गए निर्णय विवादों के घेरे में रहे। दूसरे, ऐसे मसलों पर निर्णय हेतु अध्यक्ष के पास आवश्यक विधिक ज्ञान और अनुभव की न्यूनता भी हो सकती है।

दल-बदल से उत्पन्न अयोग्यता संबंधी प्रश्नों को शुरू में न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से बाहर समझा जाता था। किंतु 'किहोतो-होलोहन बनाम जाचिल्हू' मामले (1993) में सर्वोच्च न्यायालय ने इस उपबंध को इस आधार पर असंवैधानिक घोषित कर दिया कि अध्यक्ष दसवीं अनुसूची के आधार पर अयोग्यता संबंधी किसी प्रश्न पर निर्णय देने के समय एक अयोग्य की तरह कार्य करता है। इसलिए किसी अन्य न्यायिक अधिकरण की तरह उसका भी निर्णय निष्पक्षता, प्रतिकूलता, दुर्भावना आदि के आधार पर न्यायिक समीक्षा की परिधि में आता है। अतः यह उच्चतम तथा उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आता है। बाद के अनुभव बताते हैं कि उपरोक्त संविधान संशोधन लक्षित संभावनाओं की पूर्ति में असफल रहा। इसमें कई प्रावधानों की आलोचना राजनीतिक दलों, नेताओं ने ही नहीं, बल्कि संवैधानिक समितियों और आयोगों तक ने की। उन्होंने इसमें परिवर्तन की अनुशंसा की।

इस संबंध में संविधान समीक्षा आयोग ने कुछ और सुझाव दिए। आयोग का मानना था कि दल-बदल करने वाले जनप्रतिनिधियों को मंत्री जैसे संवैधानिक पद समेत अन्य सार्वजनिक या राजनीतिक लाभ के पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए। यह बर्खास्तगी तब तक जारी रहनी चाहिए जब तक कि वर्तमान विधायिका का कार्यकाल पूरा न हो या चुनाव के बाद नई विधायिका का गठन न हो जाए। उपरोक्त विमर्श और सुझावों के आलोक में 91वां संविधान संशोधन अधिनियम (2003) पारित हुआ, जिसमें कुछ मुद्दों पर सुधार का प्रयास किया गया। सामान्यतया दल-बदल करने वाले नेताओं की अभिलाषा केंद्र या राज्य सरकार के अधीन संवैधानिक-सांविधिक पदों के अतिरिक्त राजनीतिक लाभ के पद प्राप्त करने की होती है। किंतु उक्त संशोधन अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 75 और अनुच्छेद 164 के अंतर्गत केंद्र या राज्य के अधीन मंत्रिपरिषद का आकार, सदन के कुल सदस्यों की संख्या का पंद्रह फीसद नियत कर दिया गया। साथ ही संसद या राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन का कोई सदस्य जो दल-बदल के आधार पर अयोग्य घोषित किया गया हो, वह कोई मंत्री पद या राजनीतिक लाभ के पद के अयोग्य माना गया।

यानी दल विभाजन के आधार पर अयोग्यों के लिए अन्य संरक्षण प्राप्त नहीं है। इस प्रकार संसदीय परंपरा में पैठी राजनीतिक चरित्रहीनता और अवसरवाद को नियंत्रित करने का प्रयत्न किया गया। हालांकि इसके बावजूद परिणाम उत्साहजनक नहीं रहे। राज्य ही नहीं, केंद्र की सरकार भी अवसारवादी गठबंधनों द्वारा गठित और पतित होती रही। वर्तमान में महाराष्ट्र सरकार का पतन इसका ज्वलंत उदाहरण है। कुछ दिनों पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने दल-बदल विरोधी कानून की विसंगतियों पर चिंता जाहिर करते हुए इसे और प्रभावी बनाने हेतु इसमें संशोधन की सलाह दी। वर्तमान अवसरवादी राजनीति ने जिस तरह संवैधानिक मूल्यों का क्षरण किया है, उसे देखते हुए दल-बदल के मुद्दे पर गंभीर विमर्श और अविलंब संवैधानिक सुधार जरूरी है।

दल-बदल कानून में कुछ नए प्रावधानों को शामिल करने की जरूरत है। मसलन, दल-बदल पर सदस्यों को अयोग्य ठहराए जाने के मामले में निर्वाचन आयोग की सलाह पर राष्ट्रपति या राज्यपाल का निर्णय अंतिम होना चाहिए। इस संबंध में चुनाव आयोग की भूमिका का भी विस्तार किया जाना चाहिए। दूसरा, दलों के व्हिप जारी करने के अधिकार को सीमित किया जाना चाहिए। इसे तभी जारी करना चाहिए, जब सरकार सदन में विश्वास मत के खतरे से जूझ रही हो। कानून विशेषज्ञ और भाषाविद फर्डिनांड लासाल लिखते हैं, 'संवैधानिक प्रश्न, सबसे पहले, औचित्य के प्रश्न नहीं, बल्कि सत्ता के प्रश्न हैं। किसी भी देश के वास्तविक संविधान का अस्तित्व देश में मौजूद सत्ता की वास्तविक अवस्थिति में होता है इसलिए राजनीतिक संविधानों में मूल्य और स्थायित्व तभी आता है, जब वे समाज के भीतर अस्तित्वमान शक्तियों की अवस्थिति को यथार्थ रूप से व्यक्त करते हैं।'

शिवेंद्र राणा
(वरिष्ठ पत्रकार)

राज-विचार

फ्री की राजनीति पर लगाम जरूरी

देश में फ्री बांटने की राजनीति के दुष्प्रभावों पर एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंता जताई है। मुफ्त बांटने की यह राजनीतिक सोच आर्थिक बदहाली को आमंत्रण दे रही है। यह चिंता आरबीआई द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में भी जाहिर है। इस पर रोक जरूरी है।

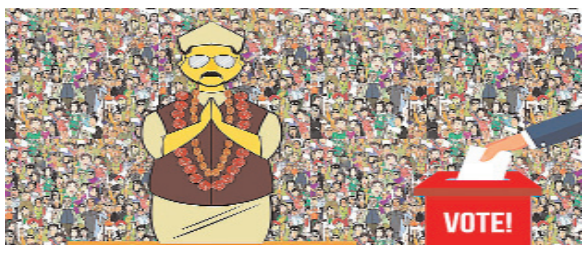

देश में फ्री बांटने की राजनीति के दुष्प्रभावों पर एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंता जताई है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए घातक है। इससे देश के लोगों को बहुत सावधान रहना है। पीएम मोदी ने कहा कि हम कोई भी फैसला लें, निर्णय लें, नीति बनाएं, इसके पीछे बड़ी सोच यही होनी चाहिए कि इससे देश का विकास और तेज होगा। आर्थिक विकास की नीतियां तब अपने लक्ष्य से भटक जाती हैं जब उनमें राजनीतिक सोच और उसके फायदे हावी हो जाते हैं। मुफ्त बांटने की राजनीति का अर्थ भी यही है। वैसे तो राजनीतिक दलों द्वारा जनता को मुफ्त सुविधाएं देने का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है। दूरगामी आर्थिक विकास की सोच इस पक्ष में नहीं है।

कई राज्यों में यह भी देखने को मिल रहा है कि कर संग्रह बढ़ाने के मकसद से शराब की बिक्री पर अधिक जोर दिया जा रहा है, क्योंकि आय बढ़ाने के अन्य स्रोत वर्तमान में नहीं हैं। लोकलुभावन आर्थिक विकास की इस सोच ने क्या समाज को विनाशकारी राह पर नहीं मोड़ दिया है? पिछले कुछ वर्षों से आर्थिक विकास के मोर्चे पर एक नई राजनीतिक सोच पैदा हुई है। अब लोकलुभावन विकास को जन कल्याणकारी योजनाओं द्वारा हर सत्तापक्ष भुनाना चाहता है, जिसका वास्तविक आधार कुछ वस्तुओं और सेवाओं को 'मुफ्त बांटना' हो गया है। मुफ्त बांटने की यह राजनीतिक सोच आर्थिक बदहाली को आमंत्रण दे रही है। यह चिंता आरबीआई द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में भी जाहिर है। वर्तमान परिदृश्य में दस राज्यों की आर्थिक स्थिति डावांडोल है, क्योंकि वित्तीय कर्ज और राज्य के जीडीपी का अनुपात बहुत अधिक बढ़ रहा है। इन सबमें पंजाब की स्थिति विकट है।

यह लोकलुभावन कदम इसलिए गलत है, क्योंकि इससे आर्थिक नीतियां बुरी तरह प्रभावित होती हैं। इसके विपरीत आज जरूरत है कि सभी राज्य अपने यहां डिजिटल तकनीक और सामाजिक सुविधाओं के बुनियादी ढांचे को तेजी से विकसित करें तथा आर्थिक नीतियों को रोजगारोन्मुख बनाने को सर्वोपरि रखें। मुफ्त बांटने की इन योजनाओं के चलते राज्यों के पूंजीगत खर्च लगातार कम होते जा रहे हैं, जिसके कारण नई संपदा का विकास नहीं हो रहा और आय नहीं बढ़ रही है। यह सोच भविष्य के बहुत बड़ा आर्थिक संकट का द्वार है। अब लगातार विपरीत होती जा रही कुछ राज्यों की आर्थिक स्थिति को संभालना होगा। पड़ोसी मुल्क श्रीलंका जीता-जागता उदाहरण है किस तरह विदेशी कर्ज ने बर्बाद किया। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान रखती है, परंतु राज्यों की बिगड़ती आर्थिक स्थिति विदेशी निवेशकों के लिए एक घबराहट का सूचक बनती जा रही है। इसे तुरंत रोकना होगा, वरना इस संकट के प्रभाव मुल्क की आर्थिक स्थिति पर भी जल्द ही दिखने लग जाएंगे।

सच्चाई टटोलने का वक्त

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच समाज में आज फेक न्यूज का चलन भी तेजी से बढ़ा है। फेक न्यूज की वजह से देश में कई मौकों पर विवाद की स्थिति भी बनी है। हर सच्ची झूठी खबर को तोड़ मरोड़ कर पेश करना तो मानो फैशन बन गया है। जिसमें हर वर्ग के लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। फेक न्यूज पर लगाम लगाने के लिए सरकार को कोई ठोस कदम उठाना होगा वरना विज्ञान अभिशाप बन जाएगा।।

कौन बनेगा करोड़पति शो के नए सीजन के प्रोमो में फेक-न्यूज को लेकर एक विज्ञापन दिखाया जा रहा है! इतने बड़े शो में इस मुद्दे जिक्र होना आसान बात नहीं है! पर, यदि फेक-न्यूज की बात यहां हो रही है, तो समझा जा सकता है कि मसला कितना गंभीर है! खबरों में झूठ की मिलावट करके उसे बेचना प्रतिद्वंदिता का फंडा हो सकता है, लेकिन खबरों की दुनिया में यह गलत परंपरा है! दरअसल, फेक-न्यूज खबरों के उस माध्यम की देन है, जहां खबरों की मारधाड़ ज्यादा है! लेकिन, इससे प्रिंट मीडिया अब तक बचा रहा, इसलिए कि उसके पास ख़बरों की सत्यता की पुष्टि के लिए पर्याप्त समय होता है। साथ छपे शब्दों की विश्वसनीयता भी ज्यादा होती है! यही कारण है कि प्रिंट मीडिया में ख़बरों के साथ इस हद तक खिलवाड़ नहीं होता कि उस पर फेक-न्यूज का ठप्पा लगे!

यदि ऐसा कुछ होता भी है, तो वो सहज, स्वाभाविक मानवीय गलती तक सीमित होता है, न कि पूरी खबर ही झूठ की बुनियाद पर खड़ी होती है! केबीसी के सीजन-14 का एक प्रोमो इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है। इस प्रोमो में बताया गया है कि फेक न्यूज कैसे पूरे समाज को भ्रमित करता है। दुनिया ने जिस तेजी से तरक्की की है, फेक न्यूज का चलन भी उसी तेजी से बढ़ा है। ये सच है कि मीडिया देश दुनिया के सभी वर्गों को बाखबर करता है। समाज न केवल सूचनाएं प्राप्त करता है बल्कि इन सूचनाओं से अपनी समझ का स्तर बढ़ाता है। लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि बाजारवाद के बढ़ते चलन ने इस क्षेत्र को भी कलंकित करने में कोई कोर कसर नहीं छोडी है।

प्रतिस्पर्धा के दौर में झूठ भी खूब परोसा जाने लगा है। एक समय था कि फिल्मों को लोग गम्भीरता से नही लेते थे। लेकिन आज न्यूज चैनलों की भी यही दुर्दशा हो रही है। खबरों की विश्वसनीयता नहीं बची है। यही वजह है कि अब सिनेमा से जुड़े लोग ज्ञान को बटोरने से पहले सच को टटोलने की सलाह केबीसी के प्रोमो के माध्यम से दे रहें। ऐसे में सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ज़माना कितना बदल गया है और हमारा समाज किस दिशा में बढ़ चला है। आज इंटरनेट का युग है, लेकिन इस युग में सूचनाएं जितनी तेजी से गतिमान हैं। उससे कहीं अधिक तेजी से फेक न्यूज फैलाई जा रही। जिसमें अब मेनस्ट्रीम के मीडिया हाउस भी शामिल होकर जाने-अनजाने में फेक न्यूज को बढ़ावा दे रहे। शायद यही वजह है कि जिस सिनेमा को गंभीर लोग नॉन सीरियस फील्ड मानते रहें हैं, उसी सिनेमा के लोग अब ज्ञान बटोरने और सच को टटोलने की सीख देने लगे हैं।

कार्ल मार्क्स ने एक समय धर्म को अफीम की संज्ञा दी थी। वर्तमान दौर में ये कहें कि सोशल मीडिया नए युग का अफीम है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सोचने वाली बात है कि जिस देश में सबसे बड़ी आबादी युवा वर्ग की हो। जिन्हें शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। देश के विकास में भागीदारी निभानी चाहिए। आज उसी देश के युवा फेक न्यूज के वायरस से ग्रसित है। फेक न्यूज के जरिए देश में अशान्ति फैलाई जा रही है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर इस तकनीकी युग में वही खबरें क्यों तेजी से वायरल होती है जिनका सच से कोई सरोकार ही न हो?

कहीं न कहीं यह सरकार की नाकामी का भी परिणाम है। सरकारी तंत्र के पास फेक न्यूज को रोकने के लिए एक समुचित तंत्र का न होना अपने आपमें बड़े सवाल खड़े करता है, लेकिन जिस दौर में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर ही असमंजस की स्थिति हो। फिर फेक न्यूज पर रोक कैसे संभव हो सकती है। सरकार फेक न्यूज पर लगाम लगाने के मार्फ़त कई बार अपने विरोधी स्वर को भी दबा सकती है। तो वहीं विपक्ष जानबूझकर कई बार ऐसा आरोप लगा सकता है जिससे सरकार की छवि धूमिल हो। ऐसे में आज की स्थिति दोधारी तलवार जैसी हो गई है। सरकार फेक न्यूज को लेकर कदम उठाएं तो दिक्कत और न उठाएं तो समाज भ्रमित हो रहा सो अलग। वैसे टीआरपी के इस खेल में खबरों का सच्चाई से कोई सरोकार ही नहीं रह गया है। लेकिन आज भी प्रिंट मीडिया की खबरों में प्रमाणिकता है। यही वजह है कि लोग आज भी अखबारों को बड़े चाव से पढ़ते है।

फेक न्यूज एक तरह का यलो जर्नलिज़्म है। जिसे किसी एक व्यक्ति या पार्टी के पक्ष में खबरे चलाने प्रचार करने या भ्रम फैलाने के लिए किया जाता है। यहां एक बात गौर करने वाली है कि फेक न्यूज मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि इसके माध्यम से कहीं न कहीं समाज में अराजकता फैलाने का कुचक्र रचा जाता है। मैसाच्यूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के अध्ययन की माने तो सोशल मीडिया से झूठी खबरें छह गुना तेज गति से वायरल होती है। इस अध्ययन में 2006 से 2016 के बीच ट्विटर पर ट्वीट की गई 1.26 लाख खबरों का आकलन किया गया जिसमें झूठी खबर 70 फीसदी अधिक बार रीट्वीट की गई। इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि झूठी खबरें किस तरह समाज में तेजी से वायरल कर दी जाती है। भारत में जिस तेजी से सोशल मीडिया का चलन बड़ा है, उससे भी तेज गति से फेक न्यूज़ का चलन बड़ा है। सोशल मीडिया आम आदमी की पहुंच में तो आ गया है।

पर दूसरी तरफ यह समाज में अराजकता फैलाने का साधन बन गया है। गरीब शोषित वर्ग के लिए एक समय पर यह अपनी बात जनमानस तक पहुंचने का जरिया था। लेकिन वर्तमान समय में सोशल मीडिया के जरिए समाज में भय का माहौल बनाया जा रहा है। यही वजह है कि जब कभी देश में हिंसा का माहौल बनता है तो सबसे पहले सरकारों को इंटरनेट बंद करना पड़ता है ताकि समाज में झूठी खबरें प्रसारित होने से रोकी जा सके। पर सवाल यह भी है कि क्या नेट बंद कर देने भर से फेक न्यूज पर लगाम लगाई जा सकेगी। इस दिशा में सरकार को और समाज को सोचना होगा। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशन्स के आंकड़ो की माने तो भारत दुनिया में सबसे ज्यादा बार इंटरनेट बंद करने वाला देश है। अभी हाल ही में नूपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद पर दिए विवादित बयान के बाद कई राज्यों में उपद्रव हुए। झारखंड की राजधानी रांची में उपद्रव बढ़ा तो 33 घंटे के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया।

फिर सवाल यही उठता है कि कैसे एक बयान को लेकर पूरे देश में अराजकता फैला दी जाती है। यहां तक कि एक समुदाय के चंद लोगों द्वारा समाज में डर का माहौल बनाने का प्रयास तक किया गया। अभी हाल ही में राजस्थान में घटी घटना का ही जिक्र करें तो कन्हैया कुमार की हत्या करने बाद उसका वीडियो बनाकर देश में माहौल खराब करने का काम किया गया। यह कोई पहली घटना नहीं है जब सोशल मीडिया के माध्यम से देश में आग लगने का प्रयास किया गया हो। वर्तमान की घटनाओं पर नजर डाले तो देखेंगे कि सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के साथ ही फेक न्यूज का दायरा भी बढ़ गया है।

हर सच्ची झूठी खबर को तोड़ मरोड़ कर पेश करना तो मानो फैशन बन गया है जिसमें हर वर्ग के लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। अब फेक न्यूज पर लगाम लगाने के लिए सरकार को कोई ठोस कदम उठाना होगा वरना वह दिन दूर नहीं जब विज्ञान वरदान की जगह अभिशाप बन जाएगा।। खासकर सोशल मीडिया जिसे पिछड़े और शोषित वर्ग की आवाज कहा जाता है। वही एक दिन समाज के विनाश का टूल बनकर रह जाएगा।

सोनम लववंशी
(वरिष्ठ पत्रकार)

पेड़-पौधों की कमी से आर्टिफिशियल न बन जाए जिंदगी

सावन आ गया है। रिमझिम, तेज बारिश के फुहारों से प्रकृति हरा भरा हो गया है। यही मौसम होता है पेड़-पौधों के पनपने का। जितनी तेजी से विकास की भेंट पेड़- पौधे चढ़ रहें हैं, उससे ये अंदाज लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में हरियाली की क्या स्थिति होगी? जिस तरह से जंगल कट रहे हैं, भूमि कम हो रही। जल-जंगल-जमीन का कनेक्शन कट रहा, उससे आने वाले दिनों में क्या हश्र होगा? इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। आधुनिकता की दौड़ में जितना आगे हम बढ़ रहे हैं। उतने ही पीछे, जल, जंगल और जमीन छूटते जा रहे हैं। इसका खामियाजा भी हमने कोविड काल में देखा, जब ऑक्सीजन का सिलेंडर लोग घरों में रखने लगे थे। ऑक्सीजन सिलेंडर की लूट मची थी। ऐसे में जितनी तेजी से बड़ी-बड़ी इमारत बन रही है। उतनी ही तेजी से हमारा प्रकृति से नाता भी टूट रहा है। मनुष्य का प्रकृति प्रेम खत्म हो रहा और जिंदगी आर्टिफिशियल होती जा रही है। प्राकृतिक संसाधनों की अपनी एक सीमा होती है। अगर ये संसाधन ऐसे खत्म होते गए और पेड़ों का रिप्रोडक्शन न किया तो परिणाम चिंताजनक होंगे! मसलन, अगर पेड़ पौधे नहीं लगाए जाएंगे और पेड़ों की कटान इसी रफ्तार से चलती रहेगी, तो एक समय बाद ये पूरी तरह से समाप्त हो जाएंगे। इनको बचाए रखने के लिए एक ही उपाय है, जितनी तेजी से इनका दोहन हो रहा उससे कहीं ज्यादा तेजी से पेड़ पौधों को लगाया जाए और बचाया जाए। साथ ही बारिश के पानी को भी भूमिगत किया जाए। तभी प्रकृति को और जीवन को बचाया जा सकता है। हर साल 21 मार्च को इंटरनेशनल फॉरेस्ट डे और 5 जून को एनवायरनमेंट डे के रूप में मनाया जाता है। लेकिन तब मौसम में गर्मी और तपन होती है। जिस कारण पौधे मर जाते है। नतीजा ये होता है कि मार्च-जून में लगाये गए अधिकांश पौधे सूख जाते है। लेकिन बारिश का मौसम पौधों के लिए अनुकूल है; इसमें पौधे जल्दी विकास होता है। तेजी से बड़े हो जाते हैं। देशभर में सघन वन क्षेत्र की श्रेणी में मध्यप्रदेश सबसे बड़ा वन क्षेत्र है। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र है। मध्यप्रदेश में वन क्षेत्रों को बढ़ाने वन समितियों का गठन किया गया है और मुख्यमंत्री शिवराज के नेतृत्व में हर दिन एक पौधा रोपने का अभियान चल रहा है। इसके उलट देखें तो पेड़ों की कटाई भी हो रही है। इसे नकारा नहीं जा सकता। केंद्र और राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों को संजोए रखने और पेड़ो के कटाई के बदले, पौधों को लगाने के लिए 358.87 करोड़ रुपए खर्च कर दी हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रतिदिन एक पेड़ लगाकर लोगों को पौधारोपण के लिए जागरूक कर रहे हैं, साथ ही सर्वाधिक पौधा रोपण लगाने में कीर्तिमान स्थापित किया है। उत्तरप्रदेश में लोगों को मुफ्त में पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ऐसे में अब बारिश का मौसम आ गया है और पौधे लगाने के लिए यही सही समय है। लेकिन, पौधे लगा देना ही उद्देश्य नहीं होना चाहिए, उसकी देख भाल भी करनी पड़ेगी। तभी हम अपने आने वाले पीढ़ियों को जल जंगल दे पाएंगे। जैसा पूर्वजों से हमें मिला है।

कृष्ण कान्त शुक्ल

पशु-चिकित्सा उपकेंद्र हेतु भूमि आवंटन के उपलक्ष्य में आनंद-बाग झझारपुर में मीटिंग का आयोजन किया गया

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखंड क्षेत्र के पंचायत समिति मुंडावर की ग्राम पंचायतों का पशु-चिकित्सा विभाग द्वारा भू आवंटन हेतु निरीक्षण किया गया द्य नवगठित ग्राम पंचायत झझारपुर में पशु-चिकित्सा उपकेंद्र हेतु भूमि आवंटन के उपलक्ष्य में आनंद-बाग झझारपुर में मीटिंग का आयोजन किया गया ।मीटिंग में उपस्थित पदाधिकारी गण एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्राम पंचायत झझारपुर के ग्राम झझारपुर में पशुपालन विभाग के लिए भूमि चिन्हित कर आवंटन की प्रक्रिया शुरू की गई। कुलदीप शर्मा ने बताया कि मीटिंग में डॉ? रमेश मीणा -संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग अलवर, डॉ? प्रकाश वीर यादव -मुख्य चिकित्सा अधिकारी मुंडावर, पोहप सिंह यादव -उपखंड विकास अधिकारी मुंडावर, गोपीचंद शर्मा -उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी अलवर, प्रियंका बाई - एल एस ए पशु चिकित्सा उपकेंद्र झझारपुर, लोकेश यादव- ग्राम विकास अधिकारी झझारपुर, सुभाष मेघवाल ङ्क सरपंच ग्राम पंचायत झझारपुर आदि उपस्थित रहे। संयुक्त निदेशक डॉ? रमेश मीणा ने बताया कि जिला कलेक्टर अलवर के निर्देशन में पंचायत समिति मुंडावर की ग्राम पंचायत झझारपुर, सराय कलां, माणका, रडवा, राणौठ, सिहाली कलां, हुलमाना कलां आदि ग्राम पंचायतों का भू-आवंटन हेतु निरीक्षण किया जाएगा।

झोटवाड़ा श्मशान घाट पर सफाई एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया

मरूधर हिंद/खेमचन्द गुप्ता

झोटवाड़ा श्मशान घाट पर सफाई एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया जिसका आह्वाझोटवाड़ा श्मशान घाट पर सफाई एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गयान खंडेलवाल वैश्य समाज के अध्यक्ष श्री अरविंद जी कूलवाल एवं झोटवाड़ा जन संघर्ष समिति द्वारा किया गया और इसी संदर्भ में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं सभी क्षेत्र के सभी निवासियों से श्रमदान के इस पावन कार्य के लिए सहयोग मांगा गया और बहुत ही हर्ष की बात है की क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि जिनमें विशेष रूप से युवा नेता श्री अरविंद जी कूलवाल ,पार्षद श्री रमेश जी गुप्ता, पार्षद श्री शरीफ जी मनिहार ,कांग्रेसी नेता श्री लक्ष्मण सिंह जी जोधा, खंडेलवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री राम अवतार जी मीठी एवं श्री नंद लाल जी कूलवाल व समाज के अन्य कई बंधुओं के साथ एवं युवा साथियों में जनमोर्चा संघर्ष समिति के अध्यक्ष श्री दिलीप जी महरौली, श्री वीरेंद्र सिंह जी (वीर सा)श्री अनिल जी वेद,श्री शत्रुघ्न जी शर्मा, श्री मनोज जी कुमावत, श्री अजय बोहरा, श्री रूपेंद्र सिंह हरसोली, श्री अजय अग्रवाल, श्री भूपेंद्र सिंह जी, श्री राजकुमार वैद्य, श्री कैलाश जी (गुरुजी) श्री ब्रह्मानंद जी रावत, श्री गणेश घीया, श्री सुभाष जी कासलीवाल व कई अन्य युवा एवं बुजुर्ग साथियों के साथ झोटवाड़ा शमशान घाट पर सफाई एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया जिसमें आदरणीय श्री अरविंद जी कूलवाल द्वारा जेसीबी लोडर एवं कचरा उठाने वाली गाड़ियों का इंतजाम किया गया एवं क्षेत्र में तैनात नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा भी तत्परता से इस कार्य में सहयोग दिया गया जिसमें विशेष रुप से श्री महेश जी, श्री मुकेश जी, श्री कमल जी आदि नगर निगम के कर्मचारियों का भी विशेष योगदान रहा। आज श्मशान घाट की दशा को जिस प्रकार से बुजुर्गों एवं युवाओं की टीम ने बदलने के लिए एक प्रयास किया है हम सभी ने यह प्रण किया है की इस तरह के कार्यक्रम हर महीने के पहले रविवार को हम सभी एकजुट होकर इस कार्यक्रम को अनवरत जारी रखेंगे।

कांस्टेबल नीरोत्तम सिंह ने रिश्तेदार बन लूटा रिश्तेदार को पटवारी से सांठ गांठ कर बिकवा दी पुश्तैनी जमीन रिपोर्ट थाने में हुई दर्ज

मरुधर हिन्द/महावीर सिंह

अपनों ने लूटा गैरों में कहां दम था इसी बात को चरितार्थ करते हुए जब सास बहू मैं कहासुनी से बहू सास से अलग रहने लगी इसी मौके का फायदा उठाते हुए एक दूर के रिश्तेदार नीरोत्तम सिंह जो पुलिस में सिपाही पद पर है ने नेवी में कैप्टन पद से रिटायरमेंट मानसिक रूप से कमजोर वृद्ध दंपत्ति जो चलने फिरने में असमर्थ है की करोड़ों रुपए की पुश्तैनी जमीन को पटवारी वह तहसीलदार से सांठ गांठ व फर्जीवाड़ा कर ओने पौने दामों में बैनामा करा कर रकम हड़प कर ली। वृद्ध दंपति की पुत्रवधू ने हरसोरा थाने में शनिवार को कांस्टेबल नीरोत्तम सिंह सहित मुंडावर तहसील दार हल्का पटवारी शामदा व हरियाणा राज्य के क्रेताओ के खिलाफ फर्जीवाड़ा भ्रष्टाचार जालसाजी छल कपट आपराधिक साजिश कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग एवं जान से मारने की धमकी तथा धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि सुमन कंवर पत्नी गिरवर सिंह नरूका निवासी जीवन सिंह पुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके ससुर राम सिंह (76) गंभीर बीमारी से ग्रसित है। गांव में उनकी पुश्तैनी जमीन है। वह उस पर काबिज हैं। साथ ही उनके पोता पोती ने पैत्रिक जमीन के अधिकार वह से को लेकर सहायक कलेक्टर मुंडावर के यहां केस विचाराधीन है। इसके चलते जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश हैं। लेकिन, आरोपियों ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर वह धोखाधड़ी की नियत से उक्त जमीन का विक्रय पत्र 19 अप्रैल 2022 को राजवीर सिंह पुत्र आसाराम गुर्जर निवासी धोबी घाट बावल हरियाणा, राजेश पुत्र मुन्ना लाल सैनी जटवाड़ा थाना बावल हरियाणा के हक में कर दिया। यह सब कार्रवाई हल्का पटवारी शामदा राजेंद्र चौधरी, मुंडावर तहसीलदार रोहतास पारीक, मैं उनके दलाल नीरोत्तम सिंह पुत्र बाबू सिंह नरूका निवासी लिली थाना लक्ष्मणगढ़ ने कानून का उल्लंघन कर न्यायालय में वाद विचाराधीन होने के बाद भी बैनामा निष्पादित कर दिया। जबकि उपपंजीयक के यहां स्थगन आदेश का नोट लगा हुआ है। इसके बाद भी पटवारी व तहसीलदार ने भू- प्रबंधक अधिकारी व पदेन राजस्व अपील अधिकारी अलवर के आदेश का गलत तरीके से व्याख्या कर भ्रष्टाचार करते हुए बयनामा पंजीकृत कर दिया। साथ ही दोनों नामांतरण 13 दिन के अंतराल में स्वीकृत कर दिया गए। वहीं राज्य सरकार के आदेश अनुसार बेचान का नामांतरण 45 दिवस तक पंचायत द्वारा पंचायत फैसला नहीं किया जाता है। इसके बाद तहसीलदार के पास फैसले के लिए पेश होता है। रिपोर्ट में लिखा आरोपियों ने उसके ससुर के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उनके हस्ताक्षर फर्जी किए हैं। आरोपी नीरोत्तम सिंह रामगढ़ थाने में सिपाही पद पर कार्यरत है। उक्त आरोपी उसके और उसके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

लक्ष्य विशाल, उपलब्धि बेमिसाल, 548 दिनों में 200 करोड़ वैक्सीनेशन, पीएम मोदी बोले- देश ने फिर रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने कोरोना वायरस के साथ जंग में एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। देश ने 200 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा छू लिया है। भारत ने ये आंकड़ा मात्र 18 महीने में ही पार कर लिया। कोरोना के टीकाकरण की शुरुआत पीएम नरेंद्र मोदी ने 16 जनवरी 2021 को की थी। देश में अब 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर डोज दी जा रही है, तो वहीं 12 साल से कम के बच्चों को भी वैक्सीन लगाई जा रही है। केंद्रीय स्वाथ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि भारत ने आज 200 करोड़ टीकाकरण का लक्ष्य पूरा कर लिया है। ये देश के लिए गौरव की बात है, ये लक्ष्य हमने केवल 18 महीने के भीतर पूरा किया है।

पीएम मोदी ने कही ये बात

तो वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इस मौके पर ट्वीट करके देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि भारत ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा कि 200 करोड़ वैक्सीनेशन डोज पहुंचने पर सभी देशवासियों को बधाई। उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने भारत के टीकाकरण अभियान को पैमाने और गति में अद्वितीय बनाने में योगदान दिया। इसने कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत किया है।

डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व की क्षेत्रीय निदेशक डॉ पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि 2 बिलियन से अधिक कोविड-19 वैक्सीन खुराक देने के लिए भारत को बधाई। यह देश की प्रतिबद्धता और चल रही महामारी के प्रभाव को कम करने के प्रयासों का एक और सबूत है। नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल ने कहा कि 2 बिलियन कोविड वैक्सीन खुराक हासिल करना भारत के लिए एक शानदार मील का पत्थर है। हमने इसे अपने टीकों का उपयोग करके हासिल किया है। इस उपलब्धि का पूरा श्रेय देश की जनता और नेतृत्व को जाता है।

दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज हमने कोविड वैक्सीन अभियान के तहत 200 करोड़ वैक्सीन की डोज़ पूरी कर ली है ये बेहद खुशी की बात है। पहले एक वैक्सीन को एक देश तक पहुंचने में 20-30 साल लगते थे, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में 9 महीनों में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए सिर्फ 1 नहीं बल्कि 2 वैक्सीन... इसे दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान बना रहे हैं।

अयोध्या में कांवड़ यात्रा और सावन मेला में आतंकी हमले के इनपुट के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या में प्रारंभ हो रही कावड़ यात्रा और सावन झूला मेले को लेकर आतंकी हमले का खुफिया इनपुट जारी किया गया है। इसको लेकर अयोध्या की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस बार अयोध्या की सुरक्षा के लिए पीएसी, आरएएफ व सीआरपीएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है। इसी कड़ी में रविवार को सीआरपीएफ की बटालियन के साथ पुलिस अधिकारियों ने अयोध्या के प्रमुख मार्गों पर रूट मार्च भी किया। बता दें कि कावड़ यात्रा को लेकर खुफिया विभाग ने आतंकी हमले का इनपुट जारी किए हैं। जिसके बाद हमेशा सुरक्षा को लेकर सख्त घेरे में कसी रहने वाली अयोध्या की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। अयोध्या के हर मठ मंदिर में सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल बाहर से मंगाए गए हैं। जिनकी प्रमुख सड़कों के समेत हर गली प्रमुख स्थानों पर तैनाती की जा रही है। साथ ही सभी प्रमुख मठ मंदिरों के महंत और वीआईपी को सुरक्षा प्रदान की गई है। इतना ही नहीं संपूर्ण मेले में हर आने जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। अयोध्या में प्रवेश करने वाले हर वाहन की तलाशी की जाएगी और साथ ही यात्रियों की सुविधाओं के लिए जगह-जगह पार्किंग की व्यवस्था की गई है। संपूर्ण अयोध्या को छोटे-छोटे सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती होगी। सुरक्षा को लेकर के अयोध्या बेहद सख्त घेरे में कसी रहेगी श्रद्धालुओं को किसी तरीके की असुविधा ना हो इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। अयोध्या की निगरानी सीसीटीवी से की जा रही है। क्षेत्राधिकारी अयोध्या राजेश तिवारी ने बताया कि कोविड के कारण दो साल के बाद पहली बार सावन मेला होने जा रहा है। इस वर्ष रामनवमी के मेले में बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे।

सरकार का विरोध करने का अधिकार छीना जा रहा, भारत में लोकतंत्र 'बर्बाद' हुआ : सिन्हा

रांची (एजेंसी)।

राष्ट्रपति पद चुनाव के लिए विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने शनिवार को यहां कहा कि भारत में लोकतंत्र 'बर्बाद' हो गया है क्योंकि देश में सरकार का विरोध करने का अधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव को पहचान का सवाल नहीं बनाया जाना चाहिए बल्कि यह विचारधारा की लड़ाई है। सिन्हा ने राष्ट्रपति निर्वाचन मंडल से मतदान के समय अतंर आत्मा की आवाज सुनने का आह्वान किया। राष्ट्रपति के लिए 18 जुलाई को मतदान होगा।

केन्द्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में महत्वपूर्ण वित्त मंत्रालय संभालने वाले हजारीबाग के पूर्वभाजपा सांसद सिन्हा ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और चुनाव में उनकी पार्टी का समर्थन मांगा। उन्होंने दिन में झारखंड के विधायकों से भी मुलाकात की। सिन्हा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैंने पिछले माह अपना चुनाव प्रचार प्रारंभ किया था तो आगाह किया था कि देश में लोकतंत्र खतरे में है, लेकिन आज जब मैं अपना चुनाव प्रचार संपन्न कर रहा हूं तो मैं कह सकता हूं कि देश में लोकतंत्र बर्बाद हो गया है।'' यशवंत सिन्हा ने भाजपा पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है ,चाहे वह ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग या यहां तक राज्यपाल कार्यालय हो ताकि विपक्षी पार्टियों के विधायकों को तोड़ा जा सके और उनके (विरोधी दलों) द्वारा चलाई जा रही सरकारें गिराई जाए। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश और हाल में महाराष्ट्र में हुआ। सिन्हा ने कहा, ''मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर इसी तरह का हथकंडा निकट भविष्य में झारखंड की झामुमो-कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए अपनाया जाए।'' भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राष्ट्रपति पद उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के लिए सिन्हों ने कहा कि वह ओडिशा की आदिवासी नेता का निजी तौर पर सम्मान करते हैं।

संजय राउत ने सुप्रिम कोर्ट के फैसले तक महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने मांग उठायी है कि पार्टी के बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर जब तक उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ का फैसला नहीं आ जाता तब तक महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। राउत ने एकनाथ शिंदे की सरकार के नए मंत्रिमंडल के गठन में हो रही देरी की भी आलोचना की। उन्होंने ट्वीट किया, 'बारबाडोस की जनसंख्या ढाई लाख है और वहां के मंत्रिमंडल में 27 सदस्य हैं। महाराष्ट्र की 12 करोड़ आबादी को दो लोगों का मंत्रिमंडल मनमाने ढंग से चला रहा है। संविधान का मान कहां रखा गया है?' राउत ने मांग उठायी कि शिवसेना के बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर जब तक उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ का फैसला नहीं आ जाता तब तक महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। राउत ने कहा, 'संविधान का अनुच्छेद 164 (1-ए) कहता है कि राज्य के मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की संख्या 12 से कम नहीं होनी चाहिए। पिछले दो सप्ताह से, केवल दो लोगों का मंत्रिमंडल ऐसे निर्णय ले रहा है जो संवैधानिक रूप से वैध नहीं हैं। माननीय राज्यपाल जी, यह क्या हो रहा है?÷ हालांकि, हालिया अटकलों के अनुसार, 19 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के बाद महाराष्ट्र में नई मंत्रिपरिषद का गठन हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि 20 या 21 जुलाई को मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। राउत इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने रविवार को कहा, ÷यह (मंत्रिमंडल विस्तार) इसलिए नहीं हुआ क्योंकि संवैधानिक समस्या है। शिवसेना के 40 बागी विधायकों (शिंदे गुट) को अयोग्य ठहराए जाने का डर है और यह मामला उच्चतम न्यायालय में है। अगर वे मंत्री के रूप में शपथ लेंगे तो उन्हें अयोग्य ठहरा दिया जाएगा।'

एलएसी पर चीन की हर गतिविधि पर हमारी नजदीकी नजर, हाई अलर्ट पर है भारतीय वायुसेना : चौधरी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच एलएसी पर जारी गतिरोध को लेकर सैन्य स्तर पर रविवार को 16वें दौर की बातचीत की गई। इस बीच वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा है कि एलएसी पर वायु गतिविधियों पर हमारी ओर से लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा, जब भी हमें लगता है कि चीनी विमान एलएसी के बहुत करीब आ रहे हैं, तो हम अपने लड़ाकू विमानों और सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखकर उचित उपाय करते हैं। इसने उन्हें डरा दिया है। चीन ऐसा क्यों कर रहा है, इसका कोई एक कारण नहीं बता सकते हैं। दरअसल, चीन ने हाल ही एक बार फिर से भारतीय हवाई सीमा का उल्लंघन किया। चीनी वायुसेना के एक विमान ने पूर्वी लद्दाख में तैनात भारतीय जवानों के बेहद करीब से उड़ान भरी। एयर स्पेस में दखलअंदाजी को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत जरूरी कदम उठाए हैं। यह घटना जून के आखिरी हफ्ते में एलएसी के करीब की बताई गई। मामला सामने आने के बाद भारतीय वायुसेना ने इसको लेकर कड़ी आपत्ति जताई। वीआर चौधरी ने कहा कि अलग हवाई रक्षा कमान की स्थापना से फायदा के बदले नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश की वायु शक्ति के सभी तत्वों को मिलकर समन्वय के साथ काम करने की जरूरत है, ताकि भविष्य की विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना किया जा सके।

चीन को लेकर आईएएफ चीफ का बड़ा बयान, ड्रैगन पर अब भारत का खौफ

मुंबई। (एजेंसी)।

आईएएफ प्रमुख से एलएसी पर चीनियों द्वारा हाल ही में उकसाने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं कोई विशेष कारण नहीं बता सकता कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। हम इसकी निगरानी कर रहे हैं और हम अपने लड़ाकों को वहां से खदेड़कर तत्काल कार्रवाई करते हैं। एलएसी पर वायु गतिविधि पर हमारे द्वारा लगातार नजर रखी जाती है। जब भी हमें लगता है कि चीनी विमान एलएसी के बहुत करीब आ रहे हैं, तो हम अपने लड़ाकू विमानों को खंगालकर और अपने सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखकर उचित उपाय करते हैं। इसने उन्हें डरा दिया है।

'अग्निपथ' भर्ती योजना पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि हमें इसके लिए 7.5 लाख आवेदन मिले हैं। यह युवाओं की सशस्त्र बलों में शामिल होने की उत्सुकता को दर्शाता है। दिसंबर में प्रशिक्षण शुरू करने के लिए चयन प्रक्रिया को समय पर पूरा करने में बड़ी चुनौती। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वायुसेना दिवस परेड इस साल चंडीगढ़ में आयोजित की जाएगी। प्रधानमंत्री के विजन और देश के युवाओं को वायुसेना की ताकत दिखाने के अपने विचार को ध्यान में रखते हुए हमने हर साल परेड स्थल को एक नए स्थान पर स्थानांतरित करने का फैसला किया है।

एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पर आईएएफ प्रमुख ने कहा कि इंडक्शन प्रोग्राम शेड्यूल के अनुसार चल रहा है। पहली फायरिंग यूनिट को शामिल किया गया और तैनात किया गया। दूसरी इकाई भी शामिल होने की प्रक्रिया में है। समय पर डिलीवरी शेड्यूल, उम्मीद है कि अगले साल तक सभी डिलीवरी पूरी हो जाएगी।

गुरु बिन ज्ञान न उपजे गुरु बिन घोर अंधार:साध्वी स्वाति भारती

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

बाँसवाड़ा गुरु बिन ज्ञान न उपजे, गुरु बिन मिटे न भेद संसार रूपी अरण्य में आई जीवात्मा को संसार के मोह माया एवं सुख दुख के भवर से दूर कर परमपिता परमेश्वर के निकट पहुंचा दे , वही सद्गुरु है । यह सत्संग विचार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिव्य ज्योति जागृति संस्थान शाखा डूंगरपुर द्वारा बाँसवाड़ा में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में साध्वी सुश्री स्वाति भारती जी ने व्यक्त किए। बुधवार को दशहरा मैदान में आयोजित भव्य महोत्सव में सद्गुरु की पहचान बताते हुए साध्वी सुश्री स्वाति भारती जी ने कहा कि संसार के द्वंद से बाहर निकालने के लिए जो ज्ञान रूपी प्रकाश से मन की अज्ञानता को दूर कर इस भव को पार करवा दे, वही सच्चा सद्गुरु है। उन्होंने आदि गुरु शंकराचार्य, महर्षि रामकृष्ण परमहंस, संत तुलसीदास, संत सहजोबाई, महर्षि अरविंद, स्वामी विरजानंद जी, स्वामी दयानंद सरस्वती, राजा हरिश्चंद्र आदि अनेक दृष्टांत देते हुए सद्गुरु एवं सच्चे शिष्य की महिमा को उद्घाटित किया। उन्होंने कहा जब एक साधक अपने गुरु के आदर्शों को अपनाने का सच्चा प्रयास करता है , तब होती है सच्ची गुरु पूजा। त्याग और संयम से जब श्रद्धा और प्रेम उत्पन्न होता है तब मन ना सिर्फ गुरु मय होता है बल्कि श्वास- श्वास में सकल विश्व के कल्याण की भावना होती है।

इस अवसर पर उन्होंने धर्म ग्रंथों एवं महापुरुषों की वाणी के माध्यम से गुरु पूजा का वास्तविक अर्थ बताया। इस अवसर पर दिव्य ज्योति जागृति संस्थान शाखा दिल्ली की साध्वी सुश्री अवनी भारती जी, साध्वी सुश्री बोध्या भारती जी, साध्वी सुश्री प्रियकरा भारती जी, एवं ढोलक पर गुरु भाई पवन जी, तबले पर प्रतीक जी तथा गुरु भाई राम जी ने भजन एवं संकीर्तन से वातावरण को आध्यात्मिक ऊंचाइयां दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय जनजाति मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य हकरु भाई मईडा, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष लाभचंद जी पटेल, तलवाडा प्रधान निर्मला मकवाना, बांसवाड़ा प्रधान बलवीर जी रावत, जिला महामंत्री मुकेश रावत, जिला उपाअध्यक्ष दिपक जी जोशी, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोहर पटेल, पूर्व सभापति मंजूबाला पुरोहित, चौबीसा समाज अध्यक्ष सुधीर जी चौबीसा, अनुराग जी जैन, राजेश जी मेहता, वीडीयों राकेश शर्मा, चिड़ियावासा सरपंच दिपक डोडीयार, पूर्व जि,प.स तोलाराम जी निनामा,आदि अतीथियो का स्वागत ओम प्रकाश जी सोनी, मनोज पुरोहित, अशोक जी पंड्या, गोपालजी चौबीसा,ने उपर्णा एवं बुक भेट आदि गणमान्य नागरिकों ने दीप प्रज्वलन कर गुरु के प्रति श्रद्धा अर्पित की।

प्लास्टिक मुक्त अभियान की अनुपालना

साध्वी सुश्री भागीरथी भारतीजी ने बताया कि संस्थान के द्वारा प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत संस्थान के सेवादारों भाई- बहनों के द्वारा खुद ही सिलाई कार्य करते हुए कपड़े की थैलियां तैयार की गई, जिसमे संस्थान द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सामग्री को इन्हीं कपड़े की थैलियों में ही वितरित कर आम व्यक्ति को ÷प्लास्टिक मुक्त राष्ट्र÷ का संदेश दिया।

श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य

सावन में रुद्राभिषेक की परंपरा है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि वे रुत अर्थात दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं। श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य पर आलेख..

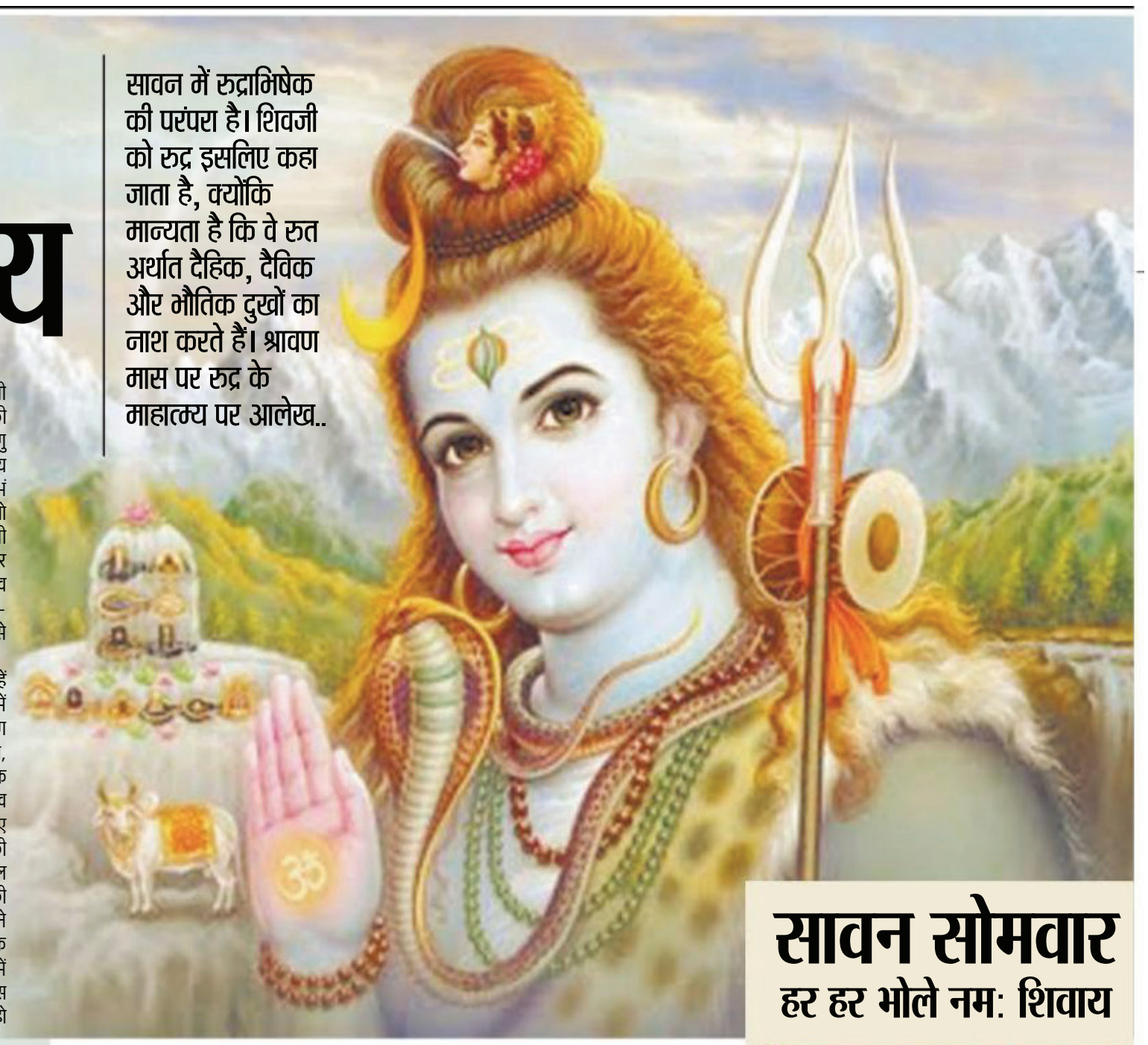

वेद सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ माने जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, वेद- शिव- शिवो वेद- यानी वेद शिव हैं और शिव वेद हैं। अर्थात शिव वेदस्वरूप हैं। इसके साथ ही वेद को भगवान सदाशिव का निःश्वास बताते हुए उनकी स्तुति में कहा गया है - यस्य निःश्वसितं वेदायो वेदेभ्योखिलं जगत। निर्ममे तमहं वंदे विद्यातीर्थ महेश्वरम।। अर्थात वेद जिनके निःश्वास हैं, जिन्होंने वेदों के माध्यम से संपूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो समस्त विद्याओं के तीर्थ हैं, ऐसे देवों के देव महादेव की मैं वंदना करता हूं। सनातन संस्कृति में वेदों की तरह शिव जी को भी अनादि कहा गया है।

वेदों में साम्ब सदाशिव को रुद्र नाम से पुकारा गया है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये रुत अर्थात दुख को दूर कर देते हैं। जो दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं, वे रुद्र हैं। इसीलिए उन्होंने त्रिशूल धारण किया है। रुद्रहृदयोपनिषद कहता है, सर्वदेवात्मको रुद्रः- अर्थात रुद्र सर्वदेवमय हैं। अथर्व शिखोपनिषद भी इसका समर्थन करता है - रुद्रो वै सर्वा देवता अर्थात रुद्र समस्त देवताओं का स्वरूप हैं। यजुर्वेद के रुद्राध्याय में रुद्रोपासना का विधान मिलता है। इसमें रुद्र शब्द के सौ पर्यायवाची नामों का उल्लेख होने से इसे शतरुद्री भी कहते हैं। माना जाता है कि शतरुद्री के माहात्म्य का उपदेश महर्षि याज्ञवल्क्य ने राजा जनक को दिया था। श्वेताश्वतरोपनिषदके अनुसार, महाप्रलय के समय एकमात्र रुद्र ही विद्यमान रहते हैं। श्रुतियों से यह तथ्य विदित होता है कि रुद्र ही परमपुरुष यानी आदिदेव साकार बहमा हैं, जिनके द्वारा ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार होता है। ब्रहमा, विष्णु और महेश इनकी त्रिमूर्ति हैं। रुद्र का परिचय शास्त्रों में इस प्रकार भी दिया गया है - अशुभं द्रावयन् रुद्रो यज्जाहार पुनर्भवम। ततः स्मृताभिधो रुद्रशब्देनात्राभिधीयते।। अर्थात जो प्राणी जीवनकाल में सब अनिष्टों को दूर करते हैं और शरीर त्यागने पर मुक्ति प्रदान करते हैं, वे सदाशिव रुद्र के नाम से जाने जाते हैं। इसी कारण दुखों-कष्टों से मुक्ति तथा सद्गति प्राप्त करने के उद्देश्य से मनुष्य रुद्रोपासना करता आया है।

रुद्र को अभिषेकप्रिय रुद्र कहा गया है, यानी उन्हें अभिषेक पसंद है। इसीलिए सावन के महीने में रुद्र का अभिषेक किया जाता है। सामान्यतः लोग जल द्वारा अभिषेक करते हैं, तो सामर्थ्यवान दूध, दही, शहद आदि विभिन्न द्रव्यों से उनका अभिषेक करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव ने समुद्र मंथन से उत्पन्न विष को जनकल्याण के लिए पिया था, तब इंद्र ने शीतलता देने के लिए वर्षा की थी, इसी कारण श्रावण मास में शिव जी को जल अर्पित करने की परंपरा शुरू हुइ। भगवान शंकर की शक्ति पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। हमने पर्वतीय क्षेत्र को जो क्षति पहुंचाई है, उसके विनाशकारी परिणाम दिखाई देते हैं। इसलिए हमें हिमालय की पवित्रता बनाए रखने का संकल्प इस सावन में लेना चाहिए, तभी शिवार्चन सफल हो सकेगा और शिव हमेशा कल्याणकारी होंगे।

सावन सोमवार
हर हर भोले नमः शिवाय

सावन और शिव का भारतीय संस्कृति से गहरा मेल है। सावन के झूलों से लेकर सावन सोमवार की बेलपत्री तक..सब कुछ मानो भावनाओं को हरा-भरा कर देने वाला। सावन के आते ही शिव भक्तों में पूजा अर्चना के लिए नई उमंग का संचार हो गया है। चारों ओर गूंजने लगे हैं बोल बम.. के जयकारे और हरे व केसरिया रंग से धरती पट सी गई है। सावन सोमवार को शिवालयों में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहेगा। हर कोई भोले से वरदान मांगने पहुंच जाता है उनके द्वार। शास्त्रों और पुराणों का कहना है कि श्रावण मास भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय है। इस माह में शिवार्चना के लिए प्रमुख सामग्री बेलपत्र और धतूरा सहज सुलभ हो जाता है। सच पूछा जाए तो भगवान शिव ही ऐसे देवता है, जिनकी पूजा-अर्चना के लिए सामग्री को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। अगर कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो जल ही काफी है। भक्ति भाव के साथ जल अर्पित कीजिए और भगवान शिव प्रसन्न।

जल चढ़ाओ और जो चाहे मांग लो

शास्त्रों के अनुसार श्रावण मास भगवान शकर को विशेष प्रिय है। अतः इस मास में आशुतोष भगवान शकर की पूजा का विशेष महत्व है। सोमवार शकर का प्रिय दिन है। इसलिए श्रावण सोमवार का और भी विशेष महत्व है। भगवान शकर का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ करके प्रत्येक सोमवार को शिवजी का व्रत किया जाता है। प्रातः काल गगा या किसी पवित्र नदी सरोवर या घर पर ही विधि पूर्वक स्नान करने का विधान है। इसके बाद शिव मदिर जाकर या घर में पार्थिव मूर्ति बना कर यथा विधि से रुद्राभिषेक करना अत्यत ही फलदायी है। इस व्रत में श्रावण महात्म्य और विष्णु पुराण कथा सुनने का विशेष महत्व है।

ऐसे करें शिव को प्रसन्न

श्रावण मास में आने वाले सोमवार के दिनों में भगवान शिवजी का व्रत करना चाहिए और व्रत करने के बाद भगवान श्री गणेश जी, भगवान शिवजी, माता पार्वती व नन्दी देव की पूजा करनी चाहिए। पूजन सामग्री में जल, दुध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत,मोली, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बेल-पत्र, भा ंग, आक-धतूरा, कमल,गट्ठा, प्रसाद, पान-सुपारी, लौंग, इलायची, मेवा, दक्षिणा चढाया जाता है। इस दिन धूप दीया जलाकर कपूर से आरती करनी चाहिए। व्रत के दिन पूजा करने के बाद एक बार भोजन करना चाहिए। और श्रावण मास में इस माह की विशेषता का श्रवण करना चाहिए।

श्रावण मास शिव उपासना महत्व

भगवान शिव को श्रावण मास सबसे अधिक प्रिय है। इस माह में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान श्री शिव की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मास में भक्त भगवान शकर का पूजन व अभिषेक करते है। सभी देवों में भगवान शकर के विषय में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते है। एक छोटे से बिल्वपत्र को चढ़ाने मात्र से तीन जन्मों के पाप नष्ट होते है।

श्रावण मास के विषय में प्रसिद्ध एक पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास के सोमवार व्रत, एक प्रदोष व्रत तथा और शिवरात्री का व्रत जो व्यक्ति करता है, उसकी कोई कामना अधूरी नहीं रहती है। 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के समान यह व्रत फल देता है।

इस व्रत का पालन कई उद्देश्यों से किया जा सकता है। महिलाएं श्रावण के 16 सोमवार के व्रत अपने वैवाहिक जीवन की लंबी आयु और संतान की सुख-समृद्धि के लिये करती है, तो यह अविवाहित कन्याएं इस व्रत को पूर्ण श्रद्धा से कर मनोवाछित वर की प्राप्ति करती है। सावन के 16 सोमवार के व्रत कुल वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति और सुख -सम्मान के लिये किया जाता है।

शिव पूजन में बेलपत्र प्रयोग करना

भगवान शिव की पूजा जब बेलपत्र से की जाती है, तो भगवान अपने भक्त की कामना बिना कहे ही पूरी करते है. बिल्व पत्र के बारे में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि बेल के पेड़ को जो भक्त पानी या गंगाजल से सींचता है, उसे समस्त तीथरें की प्राप्ति होती है। वह भक्त इस लोक में सुख भोगकर, शिवलोक में प्रस्थान करता है। बिल्व पत्थर की जड़ में भगवान शिव का वास माना गया है। यह पूजन व्यक्ति को सभी तीथरें में स्नान करने का फल देता है।

सावन माह व्रत विधि

सावन के व्रत करने से व्यक्ति को सभी तीथरें के दर्शन करने से अधिक पुन्य फल प्राप्त होते है। जिस व्यक्ति को यह व्रत करना हो, व्रत के दिन प्रातः काल में शीघ्र सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। श्रावण मास में केवल भगवान श्री शकर की ही पूजा नहीं की जाती है, बल्कि भगवान शिव की परिवार सहित पूजा करनी चाहिए। सावन सोमवार व्रत सूर्योदय से शुरु होकर सूर्यास्त तक किया जाता है। व्रत के दिन सोमवार व्रत कथा सुननी चाहिए। तथा व्रत करने वाले व्यक्ति को दिन में सूर्यास्त के बाद एक बार भोजन करना चाहिए।

प्रातःकाल में उठने के बाद स्नान और नित्यक्त्रियाओं से निवृत होना चाहिए। इसके बाद सारे घर की सफाई कर, पूरे घर में गंगा जल या शुद्ध जल छिड़कर, घर को शुद्ध करना चाहिए। इसके बाद घर के ईशान कोण दिशा में भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करना चाहिए। मूर्ति स्थापना के बाद सावन मास व्रत संकल्प लेना चाहिए।

श्रीमल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

दक्षिण भारत में कैलाश के नाम से मशहूर आंध्र प्रदेश का श्रीमल्लिकार्जुन मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग कृष्णा नदी के तट पर श्रीसैलम नाम के पर्वत पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से सात्विक मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्रीमल्लिकार्जुन का पौराणिक महत्व

एक बार भगवान शिव और पार्वती के पुत्र कार्तिकेय स्वामी और गणेश अपने विवाह के लिए आपस में कलह करने लगे। कार्तिकेय का मानना था कि वे बड़े हैं, इसलिए उनका विवाह पहले होना चाहिए, किन्तु श्री गणेश अपना विवाह पहले कराने को लेकर जिद्द पर अड़े थे। जब दोनों के झगड़े की वजह पिता महादेव और माता पार्वती को पता लगी तो उन्होंने इस झगड़े को खत्म करने के लिए कार्तिकेय और गणेश के सामने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि तुम दोनों में जो कोई भी पृथ्वी की परिक्रमा करके पहले यहां आ जाएगा, उसी का विवाह पहले होगा। शर्त सुनते ही कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए दौड़ पड़े लेकिन गणेशजी के लिए तो यह कार्य बड़ा ही कठिन था।

गणेश जी शरीर से स्थूल किन्तु बुद्धि के सागर थे। उन्होंने एक उपाय सोचा और अपनी माता पार्वती तथा पिता देवाधिदेव महेश्वर से एक आसन पर बैठने का आग्रह किया। गणेश ने उनकी सात परिक्रमा की। इस तरह से वह पृथ्वी की परिक्रमा से प्राप्त होने वाले फल की प्राप्ति के अधिकारी बन गए। उनकी चतुर बुद्धि को देख कर शिव और पार्वती दोनों काफी खुश हुए और उन्होंने श्रीगणेश का विवाह कार्तिकेय से पहले करा दिया। जब तक स्वामी कार्तिकेय सम्पूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करके वापस आए, उस समय तक श्रीगणेश जी का विवाह विश्वरूप प्रजापति की पुत्रियों सिद्धि और बुद्धि के साथ हो चुका था, जिनसे उन्हें क्षेम तथा लाभ नामक दो पुत्र भी प्राप्त हो चुके थे।

यह सब देखकर स्वामी कार्तिकेय नाराज हो गए और क्रौंच पर्वत की ओर चले गए। उन्हें मनाने के लिए देवर्षि नारद को भेजा गया लेकिन वह नहीं माने। कार्तिकेय के चले जाने पर माता पार्वती भी क्रौंच पर्वत पहुंचीं। उधर भगवान शिव भी ज्योतिर्लिंग के रूप में वहां प्रकट हुए। तभी से वह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात हुए। मल्लिका माता पार्वती का नाम है, जबकि अर्जुन भगवान शंकर को कहा जाता है। इस कथा के अलावा और भी कई कथाएं हैं जो मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के बारे में कही जाती हैं।

कैसे पहुंचे - मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के श्रीसैलम में मौजूद है। आप सड़क, रेल और हवाई यात्रा के जरिए इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। सड़क के जरिए श्रीसैलम पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। विजयवाड़ा, तिरुपति, अनंतपुर, हैदराबाद और महबूबनगर से नियमित रूप से श्रीसैलम के लिए सरकारी और निजी बसें चलाई जाती हैं। श्रीसैलम से 137 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। यहां से आप बस या फिर टैक्सी के जरिए मल्लिकार्जुन पहुंच सकते हैं। यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन मर्कापुर रोड है जो श्रीसैलम से 62 किलोमीटर की दूरी पर है।

एतिहासिक जंगेश्वर मंदिर

प्राचीन व एतिहासिक शिव मंदिरों में से एक पलवल के जंगेश्वर मंदिर में श्रावण माह में हर सोमवार को हजारों श्रद्धालु आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक है। पुराने शहर में स्थापित यह मंदिर लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र माना जाता है। पड़वा से पूनो तक श्रावण माह में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

पौराणिक व एतिहासिक महत्व

मंदिर का पौराणिक व एतिहासिक महत्व है। यह इसके नाम से ही पता लगता है। मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। पहले इस मंदिर को विधर्मियों ने तोड़कर इसके ऊपर अन्य निर्माण कर दिए थे। फिर इसे काफी संघर्ष के बाद हासिल किया गया। खुदाई की गई तो प्राचीन शिवालय निकला। सन् 1802 में इस मंदिर का पुनः निर्माण किया गया।

मूर्ति व मंदिर के निर्माण की विशेषता

मंदिर में स्थापित शिवलिंग पत्थर का है। मौजूदा लोगों में से किसी को नहीं मालूम कि यह कितना पुराना है। मंदिर के पुजारी राम कुमार बताते हैं कि यह कुदरती है। इस शिवालय का मुख्य मुख पूर्व की तरफ है। जबकि इसके दो अन्य दरवाजे पश्चिम व दक्षिण की तरफ खुलते हैं।

मंदिर की स्थापत्य शैली

जंगेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली अन्य शिव मंदिरों की तरह ही है। इसका निर्माण कखैया ईटों व व चूने से किया गया है। बाद का सारा निर्माण बड़ी ईटों व सीमेंट का है। मंदिर की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र बने हुए हैं।

पूजा, दिनचर्या, सामग्री व आराधना

मंदिर में रोजाना पूजा अर्चना होती है। रोजाना सैकड़ों लोग पूजा अर्चना करते हैं। श्रावण माह में यह संख्या हजारों में पहुंच जाती है। मंदिर में मेले का सा माहौल रहता है। सोमवार को विशेष श्रृंगार किया जाता है। बेल पत्र, आक, धतूरे शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। पलवल से बाहर के श्रद्धालु भी पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

श्रावण माह में प्रतिदिन शाम को दूध-दही, गंगाजल, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। हर सोमवार को फूल बंगला सजाया जाता है। ढंडाई व खीर का प्रसाद बांटा जाता है। अब पुराना मंदिर तोड़कर नया मंदिर बनाया गया है। उनके अनुसार शिवलिंग पृथ्वी से निकलकर अपने आप स्थापित हुआ।

बांग्लादेश में फिर हिंदुओं पर हमला, मंदिर में तोड़फोड़; घर में लगाई आग

ढ़ाका। बांग्लादेश में फिर से हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। यहां के नराइल के लोहागरा इलाके में हिंदुओं के घर पर हमला

किया गया, वहीं एक घर में आग भी लगाई गई। बताया जा रहा है कि भीड़ ने एक मंदिर में भी तोड़फोड़ की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया, मामला एक हिंदू युवक द्वारा की गई फेसबुक पोस्ट से जुड़ा हुआ है। युवक द्वारा की गई पोस्ट से भीड़ नाराज हो गई और हिंदुओं के घरों पर हमला बोल दिया। भीड़ फेसबुक पोस्ट करने वाले युवक के घर में घुस गई और आग लगा दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की।

अभी तक गिरफ्तारी नहीं

नराइल के पुलिस अधीक्षक ने बताया, कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया घटना की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जी-20 वित्त प्रमुखों से विश्व आर्थिक सुधार लक्ष्यों पर ध्यान देने का आग्रह, रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी हुई बात

नुसा दुआ। इंडोनेशिया ने जी-20 के वित्त मंत्रियों से वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए अपने लक्ष्यों पर ध्यान देने का आग्रह किया। लेकिन सूत्रों ने कहा कि बाली में बैठक की समाप्ति औपचारिक विज्ञप्ति के बिना ही होने की संभावना है। इसका एक कारण यूक्रेन में रूस का युद्ध जारी रखना है। इस मामले से परिचित दो सूत्रों ने कहा कि दो दिनी आयोजन की मेजबानी कर रहे इंडोनेशियाई वित्तमंत्री मूल्यानी इंद्रावती से उम्मी की जा रही है कि वे बैठक का सारांश देते हुए अध्यक्षीय बयान जारी करेंगी। एक सूत्र ने कहा, हम विज्ञप्ति की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी व कनाडाई वित्तमंत्री जेनेट येलेन व क्रिस्टिया फ्रीलैंड समेत वरिष्ठ पश्चिमी राजनयिकों ने युद्ध की निंदा की और युद्ध के कारण बड़े पैमाने पर आर्थिक गिरावट के लिए रूसी अधिकारियों को फटकार लगाई।

भारतीय-अमेरिकी नौरीन हसन यूबीएस अमेरिका की अध्यक्ष

भारतीय मूल की अमेरिकी नरीन हसन को स्विट्जरलैंड की दिग्गज वित्तीय कंपी यूबीएस ने कंपनी की अमेरिकी अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह अमेरिका में यूबीएम होल्डिंग की सीईओ भी होंगी। हसन इस साल अक्तूबर में पद ग्रहण करेंगी। इस समय वह न्यूयॉर्क स्थित संघीय बैंक में कार्यरत हैं। अपनी नई भूमिका में वह टॉम नारटिल की जगह लेंगी। यूबीएस ग्रुप एजी एक बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी है। हसन के पास रणनीति, डिजिटल परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और विनियामक तथा जोखिम प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ वित्तीय सेवा उद्योग का 25 वर्षों का अनुभव हैं।

वैश्विक टीकाकरण में कोरोना बना रोड़ा, 30 साल की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज

वाशिंगटन। साल 2021 के दौरान बच्चों को जीवनरक्षक टीके लगाने का आंकड़ा काफी नीचे रहा। बताया जा रहा है कि यह पिछले 30 साल में सबसे बड़ी गिरावट है। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते साल दुनियाभर में ढाई करोड़ से ज्यादा नवजात को मूलभूत टीके नहीं लगे। गौरतलब है कि वैश्विक टीकाकरण लगातार घट रहा था, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान इसमें काफी इजाफा हो गया। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के अनुसार, साल 2021 के दौरान नवजातों के टीकाकरण में काफी गिरावट दर्ज की गई, जो पिछले 30 साल में सबसे ज्यादा है। आंकड़ों पर गौर करें तो 2019 के दौरान डिप्थीरिया, टिटनेस और काली खांसी से बचाव की तीन खुराक लेने वाले बच्चों की संख्या में पांच फीसदी गिरावट दर्ज की गई।

चीन के राष्ट्रपति शी ने झिनजियांग दौरे दौरान लद्दाख गतिरोध से जुड़े अपने सैनिकों से की मुलाकात

बीजिंग। लद्दाख सीमा से सटे अशांत झिनजियांग प्रांत की इस सप्ताह असामान्य यात्रा पर गए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वहां तैनात सैनिकों एवं अधिकारियों से भेंट की तथा सीमा की सुरक्षा एवं अशांत प्रांत में स्थिति सामान्य बनाने में उनके 'शानदार योगदान' की तारीफ की। चीनी सेना की शीर्ष कमान सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के मुखिया शी ने झिनजियांग प्रांत में तैनात अधिकारियों एवं सैनिकों के प्रतिनिधियों से उसकी राजधानी उरूमकी में भेंट की। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार शी ने प्रांत में तैनात सभी कमांडरों एवं सैनिकों को बधाई दी तथा इस क्षेत्र में उनके 'शानदार योगदान' पर मुहर लगाई। वह 12 से 15 जुलाई तक इस प्रांत की यात्रा पर थे, जहां उनकी सरकार पर अल्पसंख्यक मुसलमानों के उत्पीड़न का व्यापक आरोप लगता रहा है। सरकारी मीडिया द्वारा जारी किये गये फोटो में नजर आ रहा है कि शी के साथ भेंट के दौरान पीएलए की वेस्टर्न थियेटर कमान के शीर्ष अधिकारियों के साथ रेजिमेंट कमांडर क्वी फबाओ भी मौजूद हैं। वेस्टर्न थियेटर कमान पर भारत एवं चीन के बीच 3488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की निगरानी की जिम्मेदारी है, जबकि क्वी को पीएलए का वह रेजीमेंटल कमांडर है, जो पूर्वी लद्दाख के गलवान में जून 2020 में हुई झड़प में घायल हो गया था। बाद में क्वी को 'सीमा की सुरक्षा के लिए हीरो रेजीमेंट कमांडर' के खिताब से सम्मानित किया गया था।

नेपाल का हमेशा अटल साझेदार रहेगा भारत : जयशंकर

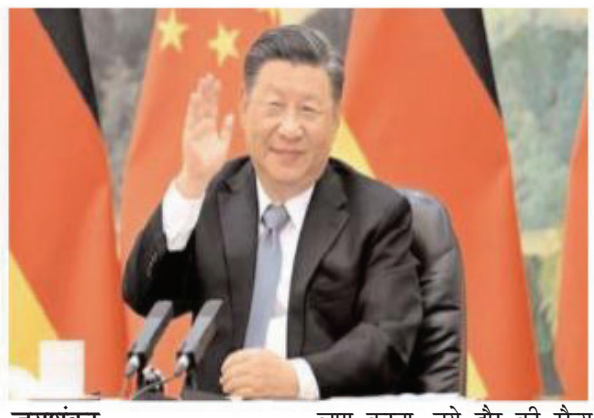

वैसे तो राष्ट्रपति के संबोधन का पूरा विवरण जारी नहीं किया गया है, लेकिन सरकारी मीडिया की खबर है कि उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा है कि नये दौर में सेना को मजबूत करने के सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के विचार को लागू करना, नये दौर की सैन्य सामरिक नीति को क्रियान्वित करना तथा झिनजियांग में सामाजिक स्थायित्व एवं दीर्घकालिक स्थायित्व को प्रोत्साहित करने में सक्रिय योगदान करना जरूरी है। सैनिकों के साथ शी की यह मुलाकात इस मायने में महत्वपूर्ण है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की झिनजियांग मिलिट्री कमान मई 2020 में दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के समय से भारत-चीन सीमा की निगरानी करता है। झिनजियांग में सैनिकों के साथ शी की यह बैठक रविवार को भारत एवं चीन के बीच होने वाली 16 वें दौर की सैन्य वार्ता से पहले हुई है। भारत पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के सभी स्थलों से सैनिकों की शीघ्र वापसी पर जोर दे रहा है और उसका कहना है कि द्विपक्षीय संबंधों में संपूर्ण प्रगति के लिए सीमा पर अमन-चैन पूर्व शर्त है। गलवान घाटी में 15 जून, 2020 को भीषण संघर्ष में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गये थे। यह दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य टकराव था। काफी समय बाद चीन ने माना कि उसके भी चार लोग मारे गये थे। रविवार को होने वाली अगले दौर की वार्ता में संभावना है कि भारतीय पक्ष डेपसांग बुल्गे और डेमचोक में मुद्दों के समाधान के साथ-साथ टकराव वाले सभी स्थानों से यथाशीघ्र सैनिकों की वापसी पर जोर डालेगा। कई दौर की सैन्य एवं राजनयिक वार्ता के फलस्वरूप दोनों पक्षों ने पैंगोंग झील के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों तथा गोगरा इलाके से अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाया था। दोनों पक्षों ने इस संवेदनशील पर्वतीय सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास 50-60 हजार सैनिकों को तैनात कर रखा है।

इंडिगो फ्लाइट की कराची में इमरजेंसी लैंडिंग, शारजाह से हैदराबाद आ रहा था विमान

करची। यूएई के शारजाह से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद पाकिस्तान के कराची में इमरजेंसी लैंडिंग की गई। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं इंडिगो एयरलाइंस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पायलट द्वारा विमान में तकनीकी खराबी देखे जाने के बाद, एहतियात के तौर पर विमान को पाकिस्तान के कराची की ओर मोड़ दिया गया। यात्रियों को हैदराबाद ले जाने के लिए कराची के लिए एक अतिरिक्त उड़ान भेजी जा रही है। बता दें दो सप्ताह में कराची में उतरने वाली यह दूसरी भारतीय एयरलाइन है।

इससे पहले कराची में ही स्पाइसजेट विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी

बता दें कि इससे पहले पांच जुलाई को दिल्ली से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की स्त-11 फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद पाकिस्तान के कराची में ही इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने घटना की जानकारी देते हुए बताया था कि संकेतक लाइट में तकनीकी खराबी के कारण स्पाइसजेट B737 विमान को कराची की ओर मोड़ दिया गया। विमान कराची में सुरक्षित उतर गया और यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया।

14 जुलाई को इंडिगो फ्लाइट की जयपुर में की गई थी इमरजेंसी लैंडिंग

वहीं इससे पहले 14 जुलाई की शाम को दिल्ली से वडोदरा जा रही इंडिगो फ्लाइट की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी। बताया गया था कि विमान में कुछ तकनीकी खराबी आई थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर इसकी आपात लैंडिंग कराई गई। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में भारत में कई फ्लाइट्स को आपात तौर पर उतारे जाने की खबरें आ चुकी हैं।

रिपुदमन की हत्या से जुड़ी कार का फुटेज जारी, होमिसाइड यूनिट ने कहा- सच सामने आएगा

टोरंटो । कनाडा में हत्या के मामलों की जांच करने वाली शीर्ष एजेंसी होमीसाइड युनिट ने रिपुदमन मलिक की हत्या से जुड़ी एक कार की वीडियो फुटेज जारी की है। जांचकर्ता फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि रिपुदमन की हत्या किसने और क्यों की है? कनाडा के अखबार टोरंटो सन के मुताबिक, इंटीग्रेटेड होमीसाइट इन्वेस्टिगेशन टीम (आईएचआईटी) ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया, जिसमें सफेद रंग की कार को पैपिलन ईस्टर्न इम्पोर्ट्स के पार्किंग क्षेत्र में घुसते हुए देखा जा सकता है। कार के अंदर कई लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। इस कंपनी की स्थापना मलिक ने 1970 में की थी। आईएचआईटी के सार्जेंट डेविड ली ने बताया कि कार 122ए स्ट्रीट पर 82 एवेन्यू के पास जली हुई मिली है।

कनिष्क बम विस्फोट मामला क्या था?

घटना 23 जून 1985 की है। एयर इंडिया की फ्लाइट 182 ने मॉन्ट्रियल से लंदन के लिए उड़ान भरी। इसे नई दिल्ली जाना था। एयर इंडिया का यह विमान एक बोइंग 747 जंबो जेट था। जिसे सम्राट कनिष्क के नाम पर कनिष्क नाम दिया गया था। वैंकूवर में एक सूटकेस कार्गो में चेक इन किया गया। इस सूटकेस में बम रखा हुआ था। विमान आयरिश हवाई क्षेत्र में था। तभी एक जोरदार धमाका हुआ। जमीन से 31 हजार फीट की ऊंचाई पर हुए इस धमाके में विमान सवार 22 क्रू मेंबर और सभी 307 यात्री मारे गए। इनमें 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश और 24 भारतीय नागरिक मारे गए। कनाडाई नगारिकों में कई भारतीय मूल के लोग भी थे। धमाके के मारे गए लोगों में से केवल 132 शव ही बरामद किए जा सके थे। बाकी 197 शवों का पता तक नहीं चल पाया।

इस हमले के जिम्मेदार लोग कौन थे?

कनाडा और भारतीय जांच में पता चला कि इस बम धमाके की योजना बनाने का काम और उसका क्रियान्वयन कनाडा में रहने वाले सिख अलगावादियों ने किया था। ये अलगावादी पंजाब में सक्रिय उग्रवादियों के निर्देश पर काम कर रहे थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि बम धमाकों को आतंकवादी समूह बब्बर खालसा ने ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए अंजाम दिया था।

मामले में किन लोगों को आरोपी बनाया गया?

इस बम धमाके के मामले में तीन लोग मुख्य आरोपी बनाए गए। इनमें रिपुदमन सिंह मलिक के साथ इंद्रजीत सिंह रेयात और अजब सिंह बागरी शामिल थे। ये तीनों ही भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के सदस्य इंदरजीत सिंह रेयात को जांच के बाद दोषी पाया गया। उसे 15 साल की सजा हुई। वहीं, रिपुदमन सिंह मलिक और अजब सिंह बागरी को जांच के बाद बरी कर दिया गया।

उत्तरी ग्रीस में यूक्रेन का मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त, आठ लोग थे सवार

ग्रीस। यूक्रेन स्थित एयर कैरियर द्वारा संचालित एक मालवाहक विमान देर रात उत्तरी ग्रीस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ग्रीस के नागरिक उड्डयन अधिकारियों के मुताबिक, विमान में 8 लोग सवार थे। पायलट ने इंजन में खराबी के कारण आपात लैंडिंग का अनुरोध किया था, लेकिन विमान का सिग्नल खो गया और हादसे का शिकार हो गया।

आठ लोग थे सवार

देर रात उत्तरी ग्रीस के कवला शहर के पास आठ लोगों के साथ एक मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दमकल विभाग और राज्य टीवी ने यह जानकारी दी है। स्टेट टीवी ईआरटी ने बताया कि विमान एक यूक्रेनी कंपनी के स्वामित्व वाला एंटोनोव ए -12 था, जो सर्बिया से जॉर्डन के लिए उड़ान पर था।

ertnews.gr पर अपलोड किए गए वीडियो फुटेज में विमान को आग की लपटों में जमीन से टकराने से पहले तेजी से उतरते हुए दिखाया गया है, जो एक विस्फोट जैसा लगता है। दमकल विभाग विमान के प्रकार की पुष्टि नहीं कर सका, लेकिन कहा कि शुरुआती रिपोर्ट में आठ लोग सवार थे।

इसने एक बयान में कहा कि दुर्घटना के बाद लगी आग को बुझाने के लिए 15 दमकलकर्मियों और सात इंजनों को तैनात किया गया। और भी बचावकर्मियों को भेजा गया है। विशेष आपदा प्रतिक्रिया इकाई घटनास्थल की जांच कर रही है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि हम कार्गो को खतरनाक सामग्री मान रहे हैं।

रूस-यूक्रेन जंग जारी

यह हादसा ऐसे वक्त पर हुआ है जब यूक्रेन और रूस के बीच जंग जारी है। रूस ने यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए हैं और रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेन भी हरसंभव अपनी ओर से रूस को जवाब दे रहा है। यूक्रेन का यह भी दावा है कि उसने रूस के 47 सैनिक मार गिराए हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में शनिवार को दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। एक तरफ जहां रूसी बमवर्षक विमानों ने यूक्रेन के दक्षिणपूर्वी शहर 'दनिप्रो' पर क्रूज मिसाइलें दागीं, जिससे 3 की मौत और 15 घायल हो गए। वहीं, यूक्रेनी सेना ने दक्षिणी यूक्रेन में 47 रूसी सैनिकों के साथ आठ हॉवित्जर तोप व कई सैन्य उपकरण नष्ट कर दिए।

दक्षिणपूर्वी यूक्रेन में क्रूज मिसाइलों से हमले, यूक्रेनी बल ने 47 रूसी मारे

पेशावर: रूस-यूक्रेन युद्ध में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। एक तरफ जहां रूसी बमवर्षक विमानों ने यूक्रेन के दक्षिणपूर्वी शहर 'दनिप्रो' पर क्रूज मिसाइलें दागीं, जिससे 3 की मौत और 15 घायल हो गए। वहीं, यूक्रेनी सेना ने दक्षिणी यूक्रेन में 47 रूसी सैनिकों के साथ आठ हॉवित्जर तोप व कई सैन्य उपकरण नष्ट कर दिए।

रूस का सैन्य अभियान मुख्य रूप से यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र दोनबास पर केंद्रित है लेकिन रूसी सेना कई अन्य यूक्रेनी क्षेत्रों पर भी बमबारी कर रही है। रूस का मकसद यूक्रेनी नेताओं का मनोबल तोड़ना है। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा, टीयू-95एमएस बमवर्षक विमानों के जरिये दनिप्रो स्थित एक फैक्टरी पर कई क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। इनमें से चार मिसाइलों को यूक्रेन ने रोका लेकिन अन्य ने काफी बड़े क्षेत्र को तबाह किया। इसमें 3 लोग मारे गए हैं।

उधर, यूक्रेनी सेना ने भी इस सप्ताह 47 रूसी सैनिकों को मारने का दावा किया। ऑपरेशनल कमांड साउथ ने कहा, हमारे विमानों पर दुश्मन ने लड़ाकू जेट व हवा से हवा में मारने वाली मिसाइलों से हमला किया, लेकिन यूक्रेन ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है।

रूसी टैंक, बख्तरबंद गाड़ियां व तोपें नष्ट

यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी सेना ने हाल ही में रूस के दो केए-52 हेलीकॉप्टर तबाह कर दिए। हालांकि रूसी सेना ने काखोवका क्षेत्र में हमारे सशस्त्र बलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की लेकिन ज्यादा क्षति नहीं कर पाए। जबकि यूक्रेनी बलों द्वारा दुश्मन की छह हॉवित्जर तोपें, एक टी-62 टैंक, 8 बख्तरबंद गाड़ियां और 14 वाहन नष्ट कर दिए गए।

रूस के अफसरों ने किया ईरान जाकर ड्रोन निरीक्षण

व्हाइट हाउस का कहना है कि रूसी अधिकारियों ने हाल के सप्ताहों में कम से कम दो बार मध्य ईरान के एक हवाई क्षेत्र का दौरा किया है ताकि हथियारों से लैस ड्रोन का निरीक्षण कर सकें। रूस इन ड्रोनों का इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में करना चाहता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, ईरान ने 8 और 15 जून को काशान एयरफील्ड में रूसी अफसरों के सामने ड्रोन प्रदर्शन किया। प्रशासन ने शहीद-191 और शहीद-129 ड्रोनों की उपग्रह तस्वीरें भी जारी कीं। एनएसए जेक सुलिवन ने कहा, हमारे पास सूचना है कि ईरान सरकार रूस को 100 ड्रोन मुहैया कराने जा रही है।

वार्ता का रास्ता अपनाकर युद्ध खत्म करें : भारत

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फिर से चिंता दताते हुए कहा कि दोनों देश कूटनीतिक जरिये से बातचीत करें और युद्ध को जल्द खत्म करने की घोषणा करें।

यूएन में भारत के स्थायी मिशन, प्रतीक माथुर ने कहा कि भारत यूक्रेन और रूसी संघ के बीच बातचीत के माध्यम से संघर्ष खत्म करने के सभी राजनयिक प्रयासों का समर्थन करता है क्योंकि युद्ध में कई लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र में अंदर और बाहर रचनात्मक रूप से काम करना हमारे सामूहिक हित में है।

भुगतान प्रणालियों के समन्वय पर भारत और इंडोनेशिया ने जताई सहमति, एमओयू पर हस्ताक्षर किए

जकार्ता। भारत और इंडोनेशिया ने जी-20 में भुगतान प्रणालियों के समन्वय पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने बैठक से इतर बाली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसमें भुगतान प्रणाली और आतंकी फंडिंग को रोकने सहित कई मुद्दों पर सहयोग किया गया।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक इंडोनेशिया (बीआई) ने 16 जुलाई, 2022 को बाली, इंडोनेशिया में जी 20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान दो केंद्रीय बैंकों के बीच पारस्परिक सहयोग में सुधार के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा और बीआई के डिप्टी गवर्नर डोडी बुडी वालुयो ने आरबीआई के

गवर्नर शक्तिकांत दास और बीआई गवर्नर पेरी वारजियो की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। बयान के अनुसार, समझौता ज्ञापन को नीति संबंधी संवाद, तकनीकी सहयोग, सूचनाओं के आदान-प्रदान और संयुक्त कार्य के माध्यम से लागू किया जाएगा।

राजनीतिक अस्थिरता इटली तक पहुंची, द्राघी हटे तो पूरे यूरोप पर पड़ेगा असर

रोम। यूरोप में बढ़ रही राजनीतिक अस्थिरता का नया शिकार इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी बने हैं। प्राकृतिक गैस के अभाव और रिकॉर्ड महंगाई के कारण यूरोपीय देशों में राजनीतिक अनिश्चय हाल में बढ़ा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और एस्तोनिया की प्रधानमंत्री केजा कलास को हाल में इस्तीफा देना पड़ा। उसके पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी संसदीय बहुमत वापस पाने में नाकाम रही। मारियो द्राघी ने रात इस्तीफा देने का एलान किया। 74 वर्षीय द्राघी बैंकर हैं। 2008 के वित्तीय संकट के दौरान यूरो मुद्रा को बचाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। साथ ही यूरोपियन यूनियन के अंदर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इटली में आर्थिक स्थिरता लाने का श्रेय भी उन्हें रहा है। लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच द्राघी के नेतृत्व वाले गठबंधन में फूट पड़ गई है। द्राघी के इस्तीफे की घोषणा करने के कुछ ही घंटों के अंदर इटली के राष्ट्रपति सर्गियो मातारेला ने कहा कि वे इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक इससे इटली का राजनीतिक संकट दूर नहीं हुआ है। द्राघी के नेतृत्व वाले गठबंधन से फाइव-स्टार पार्टी अलग हो गई है। उसने द्राघी के आर्थिक सुधार कार्यक्रम को समर्थन देने से इनकार कर दिया है। फाइव-स्टार सत्ताधारी गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी थी। वेबसाइट पॉलिटिको.ईयू की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगर अभी किसी तरह द्राघी की सरकार बच जाती है, तब भी वह स्थिर शासन नहीं दे पाएगी। बल्कि आने वाले दिनों में सत्ता संघर्ष और तेज होगा। इटली में अगले साल आम चुनाव होने हैं। इसलिए सत्ताधारी गठबंधन में शामिल पार्टियां ऐसे सुधारों के साथ खड़ी नहीं दिखना चाहतीं, जिनसे आम जनता पर बोझ बढ़ेगा। द्राघी के इस्तीफे की खबर का वित्तीय बाजारों पर साफ असर दिखा। अर्थशास्त्रियों ने चिंता जताई है कि आर्थिक संकट के इस वक्त में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने से हालात और बिगड़ सकते हैं। यूरोपियन यूनियन की मुद्रा यूरो के भाव में बीते तीन महीनों में रिकॉर्ड गिरावट आ चुकी है।